वर्ष : 33 ▸ अंक : 203 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, बुधवार, 9 अक्टूबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

- हरियाणा में नायाब सैनी तो जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला का सीएम बनना तय
- हरियाणा में कांग्रेस की उम्मीदों पर फिरा पानी, हार के पीछे की अंदरूनी खींचतान और अतिआत्मविश्वास
- जम्मू-कश्मीर में पीडीपी को बड़ा झटका, सिर्फ तीन सीटों पर सिमटी, 2014 में जीती थीं 28 सीटें
- जम्मू-कश्मीर में भाजपा की स्थिति पहले से हुई मजबूत, 29 सीटें जीती, 2014 में जीती थी 25 सीटें

हरियाणा में बीजेपी की नायाब जीत उमर अब्दुल्ला बने कश्मीर के किंग

एजेंसी | चंडीगढ़/श्रीनगर

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार चौंका दिया। कांग्रेस इस बार जीत को लेकर आश्वस्त थी। एग्जिट पोल्स से लेकर सियासी बयानों तक यही संकेत मिल रहे थे कि भाजपा इस बार मुकाबले में कमजोर है। कांग्रेस में यह मंथन भी होने लगा था कि 65 से ज्यादा सीटें आती हैं तो कमान किसे सौंपी जाएगी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला, तीनों नेता सीएम पद पर अपनी दावेदारी को लेकर ताल ठोंक रहे थे। युवाओं में बेराजगारी और किसानों-पहलवानों की नाराजगी जैसे मुद्दे को कांग्रेस जोरशोर से उठा रही थी। इस सबके बावजूद भाजपा कांग्रेस की बगल से जीत को निकालकर ले गई।

यह कुछ ऐसा ही है, जैसे कुश्ती में 'बगलडूब' दांव होता है, जब एक पहलवान सामने वाले पहलवान की बगल और पकड़ से बाहर निकलकर उसे परास्त कर देता है। राज्य में 1972 के बाद पहली बार किसी दल ने सत्ता में लगातार तीसरी बार वापसी की है। यह भाजपा की हरियाणा में अब तक की सबसे बड़ी जीत भी है। भाजपा ने 2014 में हरियाणा में 47 तो 2019 में 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि इस बार पार्टी ने 48 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। राज्य की 49 सीटें गठबंधन के खाते में गई है। हालांकि, सत्ता की इस दौड़ में पीछे रहने के बाद भी भाजपा ने राज्य में 2014 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। उसने 29 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 2014 में उसके पास 25 सीटें ही थी। सबसे बड़ा झटका महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को लगा है, जो सिर्फ तीन सीटें ही जीती है। 2014 में उसे 28 सीटों पर जीत मिली थी।

> “जहां भी बीजेपी की सरकार बनती है, वहां के लोग लंबे समय तक बीजेपी का समर्थन करते हैं। और दूसरी तरफ, कांग्रेस की क्या स्थिति है? पिछली बार कांग्रेस की सरकार कब सत्ता में आई थी? करीब 13 साल पहले 2011 में असम में उनकी सरकार दोबारा बनी थी और तब से अब तक उनकी सरकार दोबारा नहीं बनी है...देश के ज्यादातर राज्यों में लोगों ने कांग्रेस के लिए 'नो एंट्री' के बोर्ड लगा दिए हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान केंद्र सरकार के 10 साल के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से भाजपा सरकार पर कोई दाग नहीं लगा है, वैसे ही हरियाणा में भाजपा सरकार पर पिछले 10 साल में कोई दाग नहीं लगा है और इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी और पूर् मुख्यमंत्री मनोहर लाल को ढेर सारी बधाई। मैं एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की जनता को ढेर सारी बधाई देता हूं। विजय के इस उत्सव में मुझे अपने कार्यकर्ताओं के प्रति अहोभाव और प्रेम आता है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ने थकने वाले हैं, न रुकने वाले हैं और झुकने का तो कोई सवाल ही नहीं बनता है। मैं सभी को साधुवाद देता हूं।
>
> – पीएम मोदी

कांग्रेस के लिए दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम निराशाजनक

लोकसभा चुनाव के बाद उत्साहित कांग्रेस के लिए दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम निराशाजनक रहे है। हरियाणा में पार्टी की सत्ता में वापसी की उम्मीदों पर पानी फिर गया। यही वजह है कि कांग्रेस पार्टी अपनी इस हार को सहज स्वीकार करने को तैयार नहीं है। वहीं राज्य में कांग्रेस की इस हार के पीछे उनकी अंदरूनी खींचतान और अतिआत्मविश्वास को बड़ी वजह माना जा रहा है। वैसे भी पूरे चुनाव के दौरान राज्य में जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के बडे.नेताओं के बीच खींचतान देखने को मिली, वह भी पार्टी की इस हार के पीछे एक बड़ा कारण रहा है। यह बात अलग है कि हरियाणा में कांग्रेस पहले के मुकाबले मजबूत हुई है। 2019 में वह जहां 31 सीटें पर जीती थी, वहीं इस बार पार्टी ने 37 सीटों पर जीत दर्ज की है। जम्मू-कश्मीर के चुनाव नतीजे वैसे तो बिल्कुल भी अप्रत्याशित नहीं थे, क्योंकि वहां पहले से नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन बढ़त बनाए हुए थे।

शिकायत इकट्ठा कर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाएगी कांग्रेस

कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम को अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक और जमीनी हकीकत के विपरीत करार दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि तीन जिलों में ईवीएम 99 फीसदी तक चार्ज मिली है। पार्टी का कहना है कि जिन ईवीएम की बैटरी 99 फीसदी तक चार्ज थी, उनमें भाजपा की वोट निकली है। पार्टी इस मुद्दे पर जल्द चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाएगी। चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए पार्टी महासचिव जयराम रमेश और पवन खेड़ा ने कहा कि हरियाणा के परिणाम आश्चर्यजनक हैं। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। यह लोकतंत्र की हार और तंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि पार्टी को कई सीट से शिकायतें मिली हैं। पार्टी उम्मीदवारों ने मतगणना केंद्रों पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

पार्टी को सोचना होगा : सैलजा

कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा चुनाव में पार्टी की हार को निराशाजनक करार दिया है। उनका कहना है कि पार्टी को उन लोगों की पहचान करनी चाहिए, जिन्होंने पार्टी को सत्ता में लाने के प्रयासों को विफल किया है। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को अब नए सिरे से सोचना होगा और चीजें जैसी चल रही हैं, वैसी नहीं चल सकती।

भाजपा-कांग्रेस के बीच जबरदस्त रहा मुकाबला

हरियाणा में भाजपा ने भले ही जीत की हैट्रिक लगाई है, लेकिन वोट प्रतिशत में कांग्रेस और उसके बीच मुकाबला काफी कड़ा रहा। सुबह आठ बजे से शुरू हुई मतगणना के रुझानों से ही दोनों के बीच यह जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। अंतिम परिणामों में भाजपा को हरियाणा में जहां 39 .90 प्रतिशत और कांग्रेस को 39 .10 प्रतिशत वोट मिले है। वोटों के लिहाज से दोनों के बीच यह हिस्सेदारी भले मामूली रही, लेकिन सीटों में दोनों के बीच बड़ा अंतर था। भाजपा ने जहां 49 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस के खाते में 37 सीटें आयी। वहीं इनेलो सिर्फ दो सीटों पर ही सिमट गई।

मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति साफ

दोनों राज्यों के मंगलवार को आए नतीजे भले ही कई दलों के लिए चौंकाने वाले रहे है, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति बिल्कुल साफ है। हरियाणा में भाजपा को मिली इस ऐतिहासिक जीत के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी का जहां फिर से मुख्यमंत्री बनना तय है, वहीं जम्मू- कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री बनना तय है। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा- उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले CM होंगे। 11 या 12 अक्टूबर को शपथ ग्रहण हो सकता है।

केंद्र पर रहेगी निर्भरता

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने 49 सीटों पर जीत दर्ज राज्य भले ही सत्ता की चाभी अपने हाथ में ले ली है, यहां भी कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर ही था। वह राज्य की मात्र छह सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। इसके साथ ही आने वाली सरकार को राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ तालमेल रख कर ही आगे बढ़ना होगा। केंद्रशासित प्रदेश होने के चलते उनकी पूरी निर्भरता केंद्र पर ही रहेगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे अधिक सीटें

जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव भी कम रोचक नहीं था। मतगणना पूरी होने के बाद वोट प्रतिशत के लिहाज से भाजपा जहां राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है। उसे सबसे अधिक 25 .60 प्रतिशत वोट मिले है, जबकि सीटों के लिहाज से नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे अधिक 42 सीटें मिली है। हालांकि, उसका वोट प्रतिशत भाजपा के काफी पीछे 23 .47 प्रतिशत ही है। कांग्रेस को राज्य में करीब 12 प्रतिशत व पीडीपी को करीब नौ प्रतिशत ही वोट मिले है। यानी सभी दलों में भाजपा को सबसे अधिक वोट मिले है। यह बात अलग है कि राज्य में भाजपा 29 सीटों पर जीत दर्ज कर पाई।

BJP ने 22 नई सीटें जीतीं कांग्रेस ने 16 मौजूदा सीटें गंवाईं

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024

	बीजेपी	कांग्रेस
सीटें जीतीं	48	37
नई सीटें जीतीं	22	22
सीटें बरकरार	26	15
पुरानी गंवाई	14	16

नोट: आंकड़े शाम 6 बजे तक के ट्रेंड्स और रिजल्ट पर आधारित हैं।

Source: Election Commission of India

जम्मू कश्मीर चुनाव
सुकून : जम्मू कश्मीर में न कोई हिंसा न कहीं पुनर्मतदान

जम्मू कश्मीर में नतीजों के बाद नई चुनी हुई सरकार जल्द सत्ता संभालेगी। इस बार का चुनाव इस लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण माना जाएगा कि चुनाव के दौरान न कोई आतंकी हिंसा हुई, न ही पुनर्मतदान की जरूरत पड़ी। चुनाव के ठीक पहले जम्मू में आतंकी हमलों से उपजी चिंता पूरी प्रक्रिया के बाद सुकून में बदल गई। शांतिपूर्ण चुनावों को सुरक्षा बलों, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के बीच तालमेल को श्रेय दिया जा रहा है। वहीं, जानकारों का कहना है कि यह बीते कुछ सालों की मेहनत और सही समय पर सही राणनीति का असर है कि चुनाव पूरी तरह से हिंसामुक्त रहे।

हरियाणा के नतीजों से महाराष्ट्र में बढ़ा भाजपा का जोश

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे ने महाराष्ट्र भाजपा के निराश-हताश भाजपा कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान की है। इससे उनका जोश हाई हो गया है। लेकिन कांग्रेस नहीं मानती कि इसका महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोई असर होगा। वहीं, राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि हरियाणा के नतीजे ने लोकसभा चुनाव में हार की हताशा से जूझ रहे प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा दिया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हरियाणा में जो नतीजे आए हैं, वही स्थिति नवंबर माह में महाराष्ट्र में भी देखने को मिलेगा। फडणवीस ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। पार्टी केवल 9 लोकसभा सीटों पर ही चुनाव जीतने में कामयाब रही, लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली जीत नेताओं और कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित होगी।

▸ पेज 3 भी देखें

योजना | आवास परियोजनाओं के तहत 2030 फ्लैटों का ऑनलाइन आवंटन

अब मुंबईकरों के घर का सपना पूरा

दीपक पवार | मुंबई

सपने पूरे करने वाले शहर' के नाम से मशहूर मुंबई में आम नागरिकों का सपना होता है कि उनका अपना सही घर हो। इस सपने को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी कोशिश कर रही है. आवास मंत्री अतुल सावे ने कहा कि मुझे खुशी है कि म्हाडा के माध्यम से मुंबईवासियों का अपना घर होने का सपना सच हो रहा है।

2030 फ्लैटों की बिक्री

मुंबई में विभिन्न आवास योजनाओं के तहत म्हाडा के मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा निर्मित 2030 फ्लैटों की बिक्री के लिए कम्प्यूटरीकृत लॉट मंगलवार को यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया था, इस अवसर पर मुंबई शहर जिले के संरक्षक मंत्री दीपक केसरकर, म्हाडा के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयसवाल, मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद बोरिकर, मुंबई भवन मरम्मत और पुनर्निर्माण बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद शुद्धकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्य में साढ़े सात लाख और मुंबई में ढाई लाख घर बनाए गए

आवास मंत्री सावे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर किसी को अपना घर मिले. सबके लिए आवास के सपने को साकार करने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना', 'मोदी घरकुल आवास योजना' शुरू की गई है। इसके माध्यम से निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के आम लोगों को आवास आवंटित किये जा रहे हैं। राज्य में साढ़े सात लाख और मुंबई में ढाई लाख घर बनाये गये हैं. आज की लॉटरी में 2 हजार 30 मकानों के लिए 1 लाख 13 हजार से ज्यादा आवेदन आए थे. आज का ड्रा मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह से ऑनलाइन कम्प्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से संसाधित किया गया है।

अब पांच साल का होगा राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यकाल

मुंबई। प्रदेश सरकार ने राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पद के कार्यकाल की अवधि निश्चित की है। इससे राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यकाल पांच साल का होगा। राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पाशा पटेल हैं। पटेल पूर्व विधायक तथा भाजपा के नेता हैं। मंगलवार को राज्य के कृषि विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। सरकार ने केंद्रीय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) के तर्ज पर राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पद की अवधि को पांच साल करने का फैसला किया है। सरकार ने 18 अक्टूबर 2023 को राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पद पर पटेल को नियुक्त किया था। उन्हें अगला आदेश तक जारी होने तक के लिए नियुक्त किया गया है। साथ ही कैबिनेट मंत्री पद के समकक्ष दर्जा प्रदान किया गया है। लेकिन अब सरकार ने उनकी नियुक्ति की अवधि भी तय की है। इससे पहले सरकार ने 23 अप्रैल 2015 को राज्य कृषि उपज भाव समिति को राज्य कृषि मूल्य आयोग के रूप में रुपांतरित किया था।

23 वर्ष की उम्र में कॉमनवेल्थ यूथ कॉन्सिल में वाइस प्रेसीडेंट बन भारत का गौरव बढ़ाने वाले गुरदीत सिंह वोहरा से दोपहर के संपादक अरुण लाल की आत्मीयता भरी मुलाकात हुई। गुरदीत ने कहा कि मेरे लिए फक्र की बात है कि मैंने यह चुनाव जीत कर भारत का गौरव बढ़ाया।

हरियाणा चुनाव के बाद अब महाराष्ट्र में प्रभावित होगी कांग्रेस की सौदेबाजी क्षमता

दोपहर संवाददाता । मुंबई

हरियाणा चुनाव के नतीजों ने एक तरफ जहां कांग्रेस के अरमानों पर पानी फेर दिया है तो वहीं भाजपा को महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में होने वाले चुनावों के लिए नई ऊर्जा दे दी है। हरियाणा में मिली रिकॉर्ड तीसरी जीत से भाजपा के हौंसले बुलंद हैं। इस जीत के बाद महाराष्ट्र में निराश दिख रहे भाजपा के कार्यकर्ता अब पूरी ताकत से बाहर निकलेंगे तो वहीं महाविकास आघाड़ी में 'बड़े भाई' की भूमिका अदा करने की कोशिश में जुटी कांग्रेस की सीट सौदेबाजी की क्षमता कम होगी। हरियाणा चुनाव के नतीजों से भाजपा के हौंसले इसलिए भी बुलंद हुए हैं, क्योंकि यहां

ओबीसी वोटबैंक में बिखराव को रोकने में वह कामयाब रही है। महाराष्ट्र में भी उसे ओबीसी वोटबैंक के बिखरने का डर था, जो अब लगभग दूर हो गया है। न केवल ओबीसी वोटबैंक, बल्कि हरियाणा की सुरक्षित सीटों पर भी भाजपा को बेहतर कामयाबी मिली है।

हरियाणा की जनता ने नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यक्रम का समर्थन किया : फड़णवीस

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताकर झूठे प्रचारकों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे नतीजे महाराष्ट्र में भी आयेंगे। हरियाणा में जीत को लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में विजय समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर फडणवीस ने पत्रकारों से कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के झूठे प्रचार का खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को भुगतना पड़ा था। पार्टी ने इस तरह के झूठे प्रचार का जवाब देने का फैसला किया था। लोकसभा चुनाव के बाद पहली परीक्षा हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में हुई। इस परीक्षा में मतदाताओं ने विपक्ष के झूठे प्रचार को साफ तौर पर खारिज कर दिया और नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यक्रम का समर्थन किया। हरियाणा में अग्निवीर योजना के खिलाफ प्रचार किया गया। समाज के विभिन्न वर्गों को बांटने की साजिशें रची गईं लेकिन मतदाताओं ने इस झूठे अभियान को खारिज कर दिया।

अपनी रणनीति पर विचार करे कांग्रेस – शिवसेना (उबाठा)

हरियाणा के नतीजों के बाद अब कांग्रेस की महाराष्ट्र में सीट बंटवारे में सौदेबाजी की क्षमता कम होगी और अपने सहयोगी दलों को वह दबाने की स्थिति में नहीं होगी। बल्कि उल्टा अब सहयोगी दल ही कांग्रेस को दबाव में लाने की कोशिश करेंगे। शिवसेना (उद्धव) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस को अपनी रणनीति पर विचार करने की जरूरत है, क्योंकि जहां भी भाजपा से सीधी लड़ाई होती है, वहां कांग्रेस कमजोर हो जाती है।

निराश कार्यकर्ताओं को मिली ऊर्जा

इस जीत ने भाजपा के कार्यकर्त्ताओं में उत्साह का नया संचार किया है। लोकसभा चुनाव में 240 सीटों पर आ चुकी भाजपा के कार्यकर्ताओं में निराशा की भावना थी, जो इस नतीजे के बाद दूर होगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने उम्मीद जताई कि महाराष्ट्र में लगभग घर बैठ चुके काकर्ता अब पूरी ताकत से फील्ड में उतरेंगे।

घरों में सेंधमारी करने वाले पुलिस के हत्थे चढ़े

■ लाखों का माल बरामद

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

अंबरनाथ क्षेत्र में बढ़ती चोरी की वारदात काफी बढ़ गयी थी. जिसे गम्भीरता लेते हुए उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की टीम ने जाल बिछाकर चोरों को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पायी है. इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप चोरी के अपराध में आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र के निवासियों को बड़ी राहत मिली है।

चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी

बता दें कि अंबरनाथ पुलिस स्टेशन सीमा में चोरी की घटनाएं बढ़ गई थी। उल्हासनगर अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली ने इन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष टीम गठन कर जांच के आदेश दिया था। जिसके आधार पर क्राइम टीम सक्रिय हो गयी थी और इसी दरम्यान उन्हें मुखबिरों से पुलिस कांस्टेबल योगेश बाप को जानकारी मिली कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी उल्हासनगर इलाके में छिपा हुआ है। प्राप्त इस जानकारी के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया. टीम में पुलिस उपनिरीक्षक सचिन कुंभार, शाम रसाल और पुलिस कांस्टेबल योगेश वाघ, चंद्रकांत सावंत, चंद्रकांत पाटिल, सतीश सपकाले, गणेश गावड़े, ज्ञानेश्वर महाजन, विक्रम जाधव, राजेंद्र थोरवे, राजेंद्र थोरवे, संजय शेरमाले, नवनाथ खटारे, प्रसाद शामिल हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी का पता लगाया

उक्त टीम ने तुरंत तलाशी अभियान चलाया और तकनीकी विश्लेषण के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी का पता लगा लिया। क्राइम ब्रांच की इस त्वरित और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी शकील खान, समीर हाशमी और इसरार अली खान उर्फ आरिफ को उल्हासनगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने इन आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके पास से करीब साढ़े पांच लाख रुपये का कीमती सामान बरामद किया है।

महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी, (महापारेषण) सांघिक कार्यालय, वांद्रे, मुंबई

'लाडली बहन' के बाद अब 'सक्षम भगिनी' योजना

पांच हजार से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

मंत्री रविंद्र चव्हाण की स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अनूठी पहल

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की 'लाडली बहन' योजना के बाद अब डोंबिवलीकर विधायक और लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने 'सक्षम भागिनी' योजना की पहल की है. इस पहल से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस भव्य पहल में पांच हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया है।

बिना पूंजी के उत्पादन करने का अवसर

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा 'लाडली बहन' योजना लागू कर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के बाद अब लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने 'सक्षम भागिनी' पहल शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार प्रदान करना है। डोंबिवली में महिला स्वयं सहायता समूहों को बिना पूंजी के उत्पादन करने का अवसर दिया जाएगा और उन्हें अपने उत्पादों से आय प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्घाटन मंत्री चव्हाण ने नवरात्रि के अवसर पर किया था, जिसमें पांच हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया था। इस पहल के तहत शहर की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से महिलाओं द्वारा तैयार भोजन और सामान ऑर्डर के अनुसार वितरकों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। इससे महिलाओं को घर पर सामान बनाने और बिना किसी परेशानी के आय अर्जित करने का सुनहरा अवसर मिला है। मंत्री चव्हाण ने कहा कि इस पहल से महिलाओं को काफी हद तक आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते कराहदाद उमर तनकीह तबल तलब
ऑर्डर ५ कायदा १ वर ५
नंबर मुकदमा ६९०/२०२४ तारीख पेशी २०.११.२०२४
बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय बहराइच (उत्तर प्रदेश)
सरफराज अहमद बनाम इरम अरबिया
बनाम
इरम अरबिया पत्नी सरफराज अहमद पुत्री मोहम्मद सलीम मंसूरी निवासी फखरपुर परगना फख़रपुर तहसील कैंसरगंज जिला बहराइच (उत्तर प्रदेश)
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आप को हुक्म होता है कि आप बतारीख़ २० माह ११ सन २०२४ वक्त १० बजे दिन के अदालत या मार्फत एक उमूराल अहमद मुतल्लिक मुकदमा का जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही को करें आपको लाजिम है कि उसी जुमिहा दस्तावेजात पेश कर जिन पर आप बताइए अपनी जवाबदेही के इस्तकबाल करा चाहते है।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अक्षर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैरह हाजिरी आपके मसनन और फैसला होगा।
वक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत में आज बतारीख़ २३ माह०९ सन २०२४ ईस्वी को जारी किया गया।
जज

दिवाली पर घर जाने वालों के लिए गुड न्यूज

पश्चिम रेलवे चलाएगा 100 स्पेशल ट्रेनें

दोपहर संवाददाता । मुंबई

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे विभिन्न राज्यों के लिए के लिए 100 से अधिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें 2315 फेरें लगाएंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 तक कुल 2315 फेरों के साथ 106 विशेष ट्रेनें चलाई जानी हैं। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर आदि राज्यों के लिए चलाई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के मौके पर देश भर में लाखों लोग यात्रा करते हैं। यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए रेलवे ने इस साल बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी की है।

14 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष पश्चिम रेलवे ने त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने के लिए अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 तक कुल 2315 ट्रिप्स के साथ 106 विशेष ट्रेनें अधिसूचित की हैं। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर आदि गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई से देश के विभिन्न भागों के लिए 14 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। साथ ही, सूरत/उधना, वापी, वलसाड से यात्रियों की भारी मांग को पूरा करने के लिए 14 जोड़ी ओरिजिनेटिंग विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

विभिन्न गंतव्यों के लिए तीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करेगी पश्चिम रेलवे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए वलसाड-बीकानेर, वलसाड-अजमेर और ओखा-भगत की कोठी के बीच विशेष किराये पर तीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इन विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

ट्रेन संख्या 09656/09655 वलसाड-अजमेर स्पेशल (साप्ताहिक) [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09656 वलसाड-अजमेर स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वलसाड से 15.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.50 बजे अजमेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09655 अजमेर-वलसाड स्पेशल प्रत्येक बुधवार को अजमेर से 19.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.30 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 अक्टूबर, 2024 से 13 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

ट्रेन संख्या 04714/04713 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 04714 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को वलसाड से 13.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.30 बजे बीकानेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर, 2024 से 15 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04713 बीकानेर-वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बीकानेर से 08.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.20 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

ट्रेन संख्या 04806/04805 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल (साप्ताहिक) [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 04806 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को ओखा से 08.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.00 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर, 2024 से 17 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04805 भगत की कोठी-ओखा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.40 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 12 अक्टूबर, 2024 से 16 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(एसडब्ल्यूएम विभाग, आर/दक्षिण वार्ड)

कोटेशन नोटिस

विषय: आर/दक्षिण वार्ड में डीप क्लीनिंग अभियान का कार्य.

आर/दक्षिण वार्ड का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग डीप क्लीनिंग अभियान के लिए इच्छुक स्थानीयकृत पंजीकृत सहकारी समितियों, सेवा सहकारी संस्थाओं, बेरोजगार सेवा सहकारी संस्थाओं, औद्योगिक उत्पादक सहकारी संस्थाओं आदि से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित कर रहा है, **जो आर/दक्षिण वार्ड के अधिकार क्षेत्र में 30.09.2022 से पहले पंजीकृत हैं।** संस्थाओं के माध्यम से स्वयंसेवक उपलब्ध कराने के लिए लॉटरी के माध्यम से कार्य आवंटित करने के लिए पात्रता सूची तैयार करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अनु. क्र.	योजना का नाम	उक्त कार्य हेतु चयनित संस्थाओं की संख्या
1	डीप सफाई योजना	02

इच्छुक आवेदक 05.10.2024 से 10.10.2024 के दौरान सुबह 10:30 बजे से शाम 04:00 बजे तक किसी भी सीएफसी केंद्र पर 2500 रुपये + 18% जीएसटी का नकद भुगतान करने के बाद सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) आर/दक्षिण वार्ड के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। पात्रता सूची से पात्र संस्थाओं को सहायक आयुक्त द्वारा नियमों और शर्तों के अनुसार कार्य आवंटित किया जाएगा।

इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी, आवेदन पत्र और शपथ पत्र के नमूने के लिए आर/दक्षिण वार्ड कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं या महानगरपालिका के वेबपेज http://portal.mcgm.gov.in पर जा सकती हैं। संस्थाओं को नियत तारीख से पहले यानी 10.10.2024 को शाम 05:00 बजे तक आर/दक्षिण वार्ड कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा। उल्लिखित नियत तिथि और समय के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ता/
सहायक आयुक्त आर/ दक्षिण

पीआरओ/1617/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
कस्तूरबा अस्पताल
साने गुरुजी मार्ग, मुंबई-400011
नं.एचओ/6097/केएच तारीख 07/10/2024

ई-निविदा सूचना

नीचे दिए गए कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा चिकित्सा अधीक्षक कस्तूरबा अस्पताल द्वारा बीएमसी के आयुक्त की ओर से आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम	मात्रा
1	2024_एमसीजीएम_1105979_1	कस्तूरबा अस्पताल में रैपिड डेंगू पीसीआर पैथोलॉजी प्रयोगशाला के लिए डुओ किट की खरीद के लिए ई-टेंडर	मात्रा के बिल के अनुसार (बीओक्यू)

बोली शुरू: 09/10/2024 को सुबह 10.00 बजे
बोली समाप्ति: 15/10/2024 को शाम 04.00 बजे
संपर्क अधिकारी : डॉ.चंद्रकांत. पी. पवार,चिकित्सा अधीक्षक, कस्तूरबा अस्पताल.
ईमेल:ms01kasturba.phd@mcgm.gov.in
टेली. नं. 022- 23027769

बोलियां निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी चाहिए। पूर्ण ई-निविदा दस्तावेज महाटेंडर के पोर्टल https://mahatenders.gov.in/ पर उपलब्ध हैं।

हस्ता/
चिकित्सा अधीक्षक
कस्तूरबा अस्पताल

पीआरओ/1608/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

कांबा गांव में पंचायत कार्यालय का भूमिपूजन

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

विधानसभा क्षेत्र में आने वाले कांबा गांव में नया ग्राम पंचायत कार्यालय बनाने का मंगलवार को उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी द्वारा भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर शिवसेना शहर प्रमुख राजेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे। कांबा गांव पंचायत के पदाधिकारियों व ग्रामीणों द्वारा काफी समय से पंचायत कार्यालय के निर्माण की मांग की जा रही थी।

दो मंजिला इमारत होगी वातानुकूलित

कांबा गांव में काफी समय ने ग्राम प्रमुखों द्वारा नया ग्राम पंचायत कार्यालय बनाए जाने को मांग हो रही थी, जिसे लेकर विधायक प्रयासरत थे। इसे शासन ने मान्य करते हुए 20 लाख की मंजूरी दी है और मंगलवार को कांबा गांव में पहुंचकर विधायक कुमार आयलानी ने पहले गांवदेवी की पूजा कर भूमि पूजन व आरती की। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ने बताया कि यह इमारत दो मंजिला रहेगी तथा वातानुकूलित होगी, जहां बैठकर ग्रामीण व पंचायत के पदाधिकारी गांव के विकास की चर्चा कर सकेंगे। ग्रामीणों के सामने अपनी बात रखते हुए विधायक कुमार आयलानी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि मुझे इस गांव की सेवा करने का मौका मिला है। 20 लाख रुपए फंड की मंजूर किया है आगे भी फंड की कमी आड़े नही आएगी। पंचायत भवन एक मंदिर के सामान होगा जहां पर तमाम अहम फैसले लिए जाएंगे।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पूर्व MLA दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व विधायक भानुदास मुरकुटे को यौन उत्पीड़न के आरोप में मंगलवार को अहिल्यानगर जिले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भानुदास पर एक महिला द्वारा 2019 से कई बार यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुरकुटे को राहुरी थाना पुलिस की टीम ने तब पकड़ा, जब वह मुंबई से अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले में अपने घर लौटा। उन्होंने बताया कि एक महिला सोमवार को पुलिस के पास शिकायत लेकर पहुंची कि पूर्व विधायक ने 2019 से कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया है।

मामला दर्ज

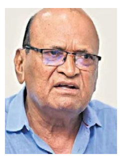

शिकायत के आधार पर, आईपीसी की धारा 376 (2) (लोक सेवकों द्वारा दुष्कर्म), 328 (हानिकारक पदार्थ से नुकसान पहुंचाना) और 418 (जानकारी के साथ छेड़छाड़) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मुरकुटे को मंगलवार तड़के मुंबई से लगभग 325 किमी दूर अहिल्यानगर के श्रीरामपुर स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ राजनेता भानुदास मुरकुटे अतीत में कांग्रेस और जनता दल से जुड़े रहे थे। मुरकुटे ने राज्य विधानसभा में तीन बार श्रीरामपुर का प्रतिनिधित्व किया है।

अनमोल विचार — सीखना कभी बंद न करें: स्कॉट बकुला

मध्य मुंबई में इमारत का हिस्सा ढहा, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई में तीन मंजिला आवासीय इमारत का एक हिस्सा मंगलवार दोपहर ढह गया। यह इमारत महाराष्ट्र सरकार की आवास एजेंसी महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएचएडीए) की संपत्ति है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद 30 कमरों व आठ दुकानों वाली इमारत को खाली करा दिया गया। नगर निगम के एक अधिकारी ने अग्निशमन विभाग से प्राप्त सूचना के हवाले से बताया कि मध्य मुंबई के मदनपुरा इलाके में स्थित 'करीम' इमारत की पहली मंजिल का स्लैब और प्लास्टर अपराह्न करीब 12:45 बजे गिर गया।

हरियाणा की जीत का महाराष्ट्र तक असर

उद्धव ठाकरे के बदल गए सुर

महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिए कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) द्वारा घोषित किसी भी सीएम चेहरे का समर्थन करेंगे: उद्धव

दोपहर संवाददाता । मुंबई

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत हुई है। इस चुनावी नतीजों का असर महाराष्ट्र की राजनीति तक दिख रहा है। चुनावी नतीजे देख शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के सुर बदल गए हैं।

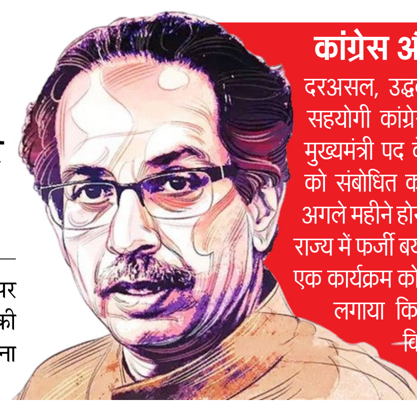

कांग्रेस और शरद पवार की बात मानेंगे उद्धव

दरअसल, उद्धव ने आज कहा कि वह महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिए सहयोगी कांग्रेस या एनसीपी ((शरद पवार) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले विज्ञापनों के माध्यम से राज्य में फर्जी बयानबाजी करने का भी आरोप लगाया। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार संभवतः अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों के जरिए फर्जी विमर्श प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है।

लाडकी बहिन योजना की आलोचना की

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन' योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि सरकार लोगों को उन्हीं का पैसा (योजना के माध्यम से) देकर ''महाराष्ट्र धर्म'' के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि ''मैं महाराष्ट्र को बचाने के लिए कांग्रेस या शरद पवार की एनसीपी द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री चेहरे का समर्थन करूंगा।''

पहले किया था विरोध

बता दे कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का इस बात का जोर था कि अगस्त में चुनाव के बाद सबसे अधिक सीट जीतने वाले दल द्वारा मुख्यमंत्री चुने जाने के बजाय विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी को चुनाव में जाने से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा था कि वह कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

मुंबई के विकास के लिए जल्द ही क्लस्टर योजना शुरू की जाएगी: केसरकर

म्हाडा का अर्थ है विश्वास

"म्हाडा का अर्थ है आस्था. म्हाडा का घर पाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का शामिल होना यह दर्शाता है कि लोगों को म्हाडा पर कितना भरोसा है। एक स्थिर और सुरक्षित घर हर किसी का सपना होता है। यह लॉटरी प्रक्रिया उस सपने को पूरा कर रही है।

- वल्सा नायर सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव

दीपक पवार । मुंबई

म्हाडा की इस लॉटरी से आम नागरिकों को मुंबई में घर मिलेगा। मुंबई शहर के संरक्षक मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि म्हाडा ने मुंबई के आम लोगों को राहत देने के लिए काम किया है, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व में मुंबई का व्यापक विकास किया जा रहा है। धारावी, बीडीडीचल के पुनर्विकास से इस क्षेत्र के नागरिकों के हक के घर का सपना पूरा होगा। यह विकास आम लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही मुंबई के विकास के लिए क्लस्टर योजना भी जल्द शुरू की जाएगी। मंत्री केसरकर ने यह भी कहा कि इससे मुंबई में लाखों घर मिलेंगे।

मकान के दाम कम हुए

परिचय में जायसवाल ने कहा कि फ्लैटों की बिक्री के लिए लॉटरी निकाली जा चुकी है। इसके लिए जमा राशि वाले 1 लाख 13 हजार 811 आवेदन पात्र थे। मुंबई में पिछले साल दूसरी बार लॉटरी प्रक्रिया लागू की गई है। लोगों की मांग के अनुसार फ्लैट दरें भी कम की गई हैं। इस अवसर पर विजेता जयश्री कोटकर और कृपाल पटेल को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मिलिंद बोरिकर ने कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया।

महाराष्ट्र के समुद्री तट पर इकोसिस्टम में किए जाएंगे सुधार

एडीबी ने दी 42 मिलियन डॉलर के ऋण की मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र के समुद्री तट के संरक्षण के लिए महाराष्ट्र के महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड को अब एशियाई विकास बैंक की मदद मिल गई है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने महाराष्ट्र में तटीय और नदी तट संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए 42 मिलियन अमरीकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। एडीबी के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वीकार किए गए इस ऋण को स्थानीय समुदायों और प्राकृतिक संरक्षण और इकोसिस्टम के लचीलेपन को बढ़ाने में मदद करेगा। एडीबी ने कहा कि महाराष्ट्र सतत जलवायु-लचीला तटीय संरक्षण और प्रबंधन परियोजना तटीय कटाव और नदी तट संरक्षण समाधान जैसे अपतटीय चट्टानें, शीट पाइल्स, समुद्र तट पोषण और वनस्पति रोपण को स्थापित करेगी ताकि तटरेखा को बहाल और स्थिर किया जा सके।

मंजूर हुआ ऋण

एडीबी जल संसाधन विशेषज्ञ मैरी एल'होस्टिस ने कहा, "यह परियोजना अपतटीय चट्टान निर्माण और चट्टान संरक्षण कार्यों जैसे नए इंजीनियरिंग हाइब्रिड दृष्टिकोणों को अपनाने के लाभों को प्रदर्शित करेगी, साथ ही समुद्र तट और टीले पोषण जैसे नरम प्रकृति पर आधारित समाधान भी दिखाएगी।" एडीबी तटीय बुनियादी ढांचा प्रबंधन इकाई की स्थापना सहित तट प्रबंधन योजना में महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड की क्षमता का निर्माण करने में मदद करेगा। यह परियोजना लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन, तटीय प्रबंधन और आजीविका गतिविधियों पर हितधारकों की क्षमता निर्माण में सहायता करेगी।

जलवायु अनुकूल रखने के प्रयास

विशेषज्ञ (तटीय अनुकूलन) एलेसियो गियार्डिनो ने कहा, "यह परियोजना महाराष्ट्र की जलवायु अनुकूल रखने की आवश्यकताओं को पूरा करती है, जैसा कि राज्य की तटरेखा प्रबंधन योजना में दिया गया है और लचीले प्रकृति-आधारित और संकर समाधानों के माध्यम से समुद्र-स्तर में वृद्धि और तटीय कटाव की बढ़ती दरों द्वारा दर्शाए गए जलवायु परिवर्तन के खतरों को दर्शाती है।

संपादकीय

स्पष्ट जनादेश

हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर (केंद्रशासित प्रदेश) के विधान सभा चुनाव नतीजे मंगलवार को सामने आए। ये नतीजे अपनी-अपनी तरह से उल्लेखनीय हैं। हरियाणा में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करने में कामयाब रही और इस दौरान उसका मत प्रतिशत भी सुधरा। भाजपा को इस बार 40 फीसदी से अधिक मत मिले जबकि 2019 के विधान सभा चुनाव में पार्टी को 36.5 फीसदी मत हासिल हो सके थे। कांग्रेस ने भी अपने मत प्रतिशत में सुधार किया और 2019 के 28 फीसदी के मुकाबले इस बार पार्टी को 39 फीसदी मत मिले लेकिन इसके बावजूद वह भाजपा को 10 वर्ष के शासन के पश्चात भी अपदस्थ करने में नाकाम रही। कांग्रेस को कुल मिलाकर 37 सीट पर जीत मिली जबकि भाजपा 90 सीट वाली विधान सभा में 48 सीट के साथ बहुमत का आंकड़ा छूने में कामयाब रही। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि हरियाणा चुनाव नतीजों ने उनका पूर्वानुमान लगाने वालों और राजनीतिक पंडितों को गलत साबित किया। इन सभी का मानना था कि चुनाव में कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त हासिल है। राजनीतिक ढंग से बात करें तो हरियाणा के नतीजों से दो ऐसे निष्कर्ष निकलते हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पहला, भाजपा में अपनी स्थिति को आंकने और आवश्यक बदलाव करने की असाधारण क्षमता है। पार्टी ने इस वर्ष के आरंभ में प्रदेश में अपना मुख्यमंत्री बदल दिया और 10 में से पांच लोक सभा क्षेत्रों में हारने के बाद उनसे अपना गुणा गणित बिठाया और विधान सभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। दूसरी बात, भाजपा ने यह जीत तब हासिल की जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के लिए अधिक प्रचार भी नहीं किया। कुछ टीकाकारों ने इसे कमजोरी का संकेत माना लेकिन परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने अपने लिए एक मजबूत चुनावी मशीनरी तैयार कर ली है। अब तीसरी बार बन रही भाजपा सरकार को राज्य में विकास की प्रक्रिया को आगे ले जाना होगा। बीते दशकों के दौरान राज्य ने कृषि से परे विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को अपनाया है और उसकी प्रति व्यक्ति आय में इजाफा हुआ है। इस प्रक्रिया को आगे ले जाने की आवश्यकता है। निकट भविष्य में भाजपा के कुछ वादे राज्य सरकार पर वित्तीय बोझ डाल सकते हैं। इनमें महिलाओं को 2,100 रुपये मासिक सहायता, कॉलेज जाने वाली छात्राओं को स्कूटी, गरीब परिवारों को सस्ती घरेलू गैस और दो लाख सरकारी नौकरियों के वादे शामिल हैं। हालांकि चालू वर्ष में राज्य का राजकोषीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 2.8 फीसदी तक रहने का अनुमान है लेकिन यह बात ध्यान देने वाली है कि पूंजीगत व्यय पर असर पड़ा है। जैसा कि इस समाचार पत्र का विश्लेषण दर्शाता है पूंजीगत आवंटन 2019-20 के जीएसडीपी के 2.4 फीसदी से घटकर चालू वर्ष में 1.3 फीसदी रह गया है। अगर राज्य को क्षमता निर्माण करना है और वृद्धि की गति को बरकरार रखना है तो इसमें बदलाव लाना होगा। हरियाणा की अगली सरकार के सामने मौजूद कामों और चुनौतियों को अपेक्षाकृत सरल ढंग से समझा जा सकता है जबकि जम्मू-कश्मीर में हालात अधिक कठिन हो सकते हैं। कांग्रेस और नैशनल कॉन्फ्रेंस का चुनाव पूर्व गठबंधन वहां अगली सरकार बनाने जा रहा है लेकिन हालात अतीत से एकदम अलग होंगे। 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर प्रदेश को केंद्रशासित प्रदेश में बदल दिया गया था। इस केंद्रशासित प्रदेश की नई सरकार के पास पहले की राज्य सरकार जैसे अधिकार नहीं होंगे और वह केंद्र सरकार के नियंत्रण में रहेगी। अब जबकि वहां एक निर्वाचित सरकार होगी तो केंद्र को भी शीघ्र ही उसका राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए। ऐसा करने से नई सरकार देश की किसी भी अन्य राज्य सरकार की तरह काम कर सकेगी और मतदाताओं की अपेक्षाओं को पूरा कर सकेगी। व्यापक राजनीतिक स्तर पर जहां हर राज्य के चुनाव अलग होते हैं, वहीं मंगलवार के नतीजे महाराष्ट्र और झारखंड के आगामी चुनावों में भाजपा का मनोबल बढ़ाएंगे।

हरियाणा में भाजपा ने रणनीति से पासा पलटा

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की ध्वजा लहराई

केके उपाध्याय (वरिष्ठ पत्रकार)

हिंदुस्तान, अमर उजाला, स्वदेश व दैनिक भाष्कर के संपादक रहे, वर्तमान में जनता टीवी के मुख्य संपादक हैं। महाराष्ट्र भाजपा में मीडिया चुनाव प्रभारी हैं।

चुनावी पंडित धरे रह गए। एक्जिट पोल फिर ढोल की पोल ही साबित हुए। सारे मिथक टूट गए। राजनीति का गणित फेल हो गया। भाजपा की केमेस्ट्री हरियाणा में जीत गई। यह केमेस्ट्री थी –"जाट वर्सेज नान जाट की" । जाटों के गढ़ में भी सेंधमारी हुई। जाटलैंड में 9 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा के 57 सालों में यह इतिहास रचा है। पहली बार कोई पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। एक इतिहास और रचा है जम्मू-कश्मीर में। यहां धारा 370 हटने के बाद पहली बार चुनाव हुए। यह चुनाव इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यहां की जनता ने भरपूर वोट डाले। यहां नेशनल कांफ्रेंस सरकार बनाने जा रही है। यहां लोकतंत्र जीता है। तिरंगा जीता है। देश जीता है। एक दिन में दो दो इतिहास बने हैं।

पहले बात हरियाणा की। एक बार फिर इन चुनावों ने यह साबित किया कि चुनाव में सारे राजनीतिक पंडितों के आकलन फेल हो गए। जमीनी हकीकत को कोई भांप नहीं पाया। राहुल गांधी बांटने की बात करते रहे। उधर नान जाट जातियां एक हो गई। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने जोखिम उठाया नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने का। इससे सत्ता के खिलाफ चल रही विरोध की लहर थम सी गई। यह न कोई जान सका। न भांप सका। अग्निवीर का मुद्दा फुस्स हो गया। कांग्रेस सिर्फ जाटों के भरोसे रही। बाकी जातियों की उपेक्षा कांग्रेस को भारी पड़ी। चुनाव से पहले कांग्रेस की बड़ी दलित महिला नेता का लगातार अपमान होता रहा। दलितों ने कांग्रेस को छिटक दिया। यह आसान नहीं था। चुनाव से पहले तक कोई यह नहीं मान कर चल रहा था कि यहां भाजपा फिर सरकार बनाएगी। आइए देखें वो कौन से फैसले थे जिसने चुनाव की दशा भी बदली दिशा भी बदली।

2019 में भाजपा ने 40 सीटें जीती थी। 2024 में इनमें से 27 सीटें फिर जीत ली। इसके अलावा 22 नई सीटें जीत लीं। दूसरी ओर कांग्रेस ने 19 नई सीटें तो जीतीं परंतु 50 प्रतिशत पुरानी सीटें गंवा दीं। इस समीकरण से कांग्रेस की नई सीटों की जीत का कोई फायदा नहीं हुआ। भाजपा ने टिकट वितरण में नफे नुकसान का आंकलन करके टिकट बांटें। 30 टिकट बदल दिए । इनमें से 22 प्रत्याशी चुनाव जीत गए। भाजपा का यह फार्मूला काम कर गया।

खट्टर की जगह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने का दांव भी कामयाब रहा। चुनाव से ठीक 6 महीने पहले मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को सीएम बनाया गया। हरियाणा में लगभग 44 प्रतिशत आबादी ओबीसी (पिछड़ा) है। यह दांव काम कर गया। नान जाट सभी जातियां एक हो गईं। जिसका परिणाम साफ दिख रहा है। पार्टी को यह महसूस हुआ कि किसान आंदोलन,महिला पहलवानों के विरोध के कारण मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ जबर्दस्त नाराजगी है। खट्टर को

चुनावी रैलियों से दूर रखा गया। भाजपा के मुद्दे लोगों के गले उतरते चले गए। भाजपा का हर नेता दबंग, दलाल और खर्ची पर्ची का जिक्र अपने भाषण में करता था। राहुल गांधी का जलेबी की फैक्ट्री का खूब मजाक बना। आज भाजपा देश भर में जलेबियां बंटवा रही है। जलेबी खा रही है। आखिर हो भी क्यों न हार को जीत में बदलने का हुनर भाजपा के पास है। भाजपा यह चुनाव जीती है अपनी रणनीति से। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने हरियाणा के हर जिले को छान दिया था। बूथ लेबल पर वोट बढाने की रणनीति पर काम किया । बूथ पर मेन टू मेन मार्किंग की गई। हर घर हर वोट पर नजर थी। नए वोटर बनाए। नए सदस्य बनाए। जाति के जाल में खुद नहीं उलझी। कांग्रेस को उलझा दिया। कांग्रेस जाटों पर फोकस रही। भाजपा ने जाटों में भी सेंधमारी की। दलितों में भी। यह फार्मूला काम कर गया।

कांग्रेस ने भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के हाथ में ही कमान रखी। कुमारी शैलजा चुनाव में बहुत कम नजर आई। राहुल गांधी को दोनों को एक करने के लिए आना पड़ा। तब तक देर हो चुकी थी। दलितों में यह संदेश गया कि उनकी नेता का अपमान हुआ है। वहीं कांग्रेस के एक और बड़े नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला भी अपने क्षेत्र तक ही सीमित रहे। भाजपा में गुटबाजी कम नजर आई। सीएम फेस को लेकर भाजपा में कोई चिक चिक नहीं थी।

कांग्रेस सिर्फ जाटों के भरोसे मैदान में थी। कांग्रेस ने कुल 89 टिकट दिए थे। इनमें 28 जाट समुदाय के लोगों को दिए। भाजपा ने केवल 16 उम्मीदवार ही जाट उतारे। भाजपा ने जाट बाहुल्य सीटों पर ही जाटों को महत्व दिया। जिन सीटों पर गुर्जर, सैनी, कश्यप, यादव जैसी अन्य ओबीसी जातियों के वोट अच्छी खासी संख्या में थे वहां उन्हें ही महत्व मिला। काग्रेस ने पूरी कमान भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के हाथ में रखी। 72 उम्मीदवार भूपेन्द्र हुड्डा की पसंद के थे। भाजपा ने नायब सिंह सैनी को ही प्रमोट किया, जो खुद सैनी समाज से है। प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्म्ण फेस मोहन लाल बड़ौली को बनाया। हरियाणा में जाटों के बाद ही ब्राहम्ण समुदाय की ही बड़ी आबादी है। सैनी को रखा आगे। ख्ट्टर से दूरी। भाजपा की मंशा पूरी ।

जम्मू-कश्मीर

जम्मू–कश्मीर का चुनाव अपने आप में एतिहासिक रहा है। आजादी के बाद यहां खुलकर आसमान में तिरंगा लहराया है। पहली बार एक निशान। एक विधान पर चुनाव हुआ है। डल झील श्रीनगर में अठखेलियां कर रही हैं। शिकारों पर मौज मस्ती का आलम है। व्यापार चल निकला है। पत्थर बाजों के हाथ में कलम है। रोजगार है। बिजनेस है। श्री नगर के लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है। पहली बार लोगों ने खुलकर वोट डाला है। यहां चुनाव आतंक के साये में नहीं हुए। लोगों ने अपना फैसला अपनी मर्जी से लिखा है। यहां नेशनल कांफ्रेंस चुनाव जीती है।

भाजपा ने यहां भी 29 सीटें जीतीं है। अलगाववादी पीडीपी को जनता ने सबक सिखाया है। यहां जीत किसी पार्टी की नहीं लोकतंत्र की हुई है।

जीवन मंत्र

दोस्ती की आग

तुम आग को देखना और हमारी दोस्ती के बारे में सोचना; और यह तुम्हें गरम रखेगा। तुम आसानी से रात निकाल लोगे, और बाद में मैं तुमसे इसके बदले में कुछ मांगूंगा।' ठीक वैसा ही हुआ।

अली नाम के एक व्यक्ति को पैसों की जरूरत थी। उसने अपने मालिक से मदद मांगी। मालिक ने उसके सामने एक चुनौती रख दी कि अगर वह एक पूरी रात पहाड़ की चोटी पर बिताएगा, तो वह उसे बहुत बड़ा इनाम देगा; लेकिन यदि वह असफल हुआ, तो उसे मुफ्त में काम करना होगा। दुकान से बाहर निकलते समय अली ने देखा कि बर्फीली हवा चल रही थी। उसे डर लगा और उसने अपने सबसे जिगरी

दोस्त ईदी से सलाह-मशविरा करने का फैसला किया कि कहीं मालिक की शर्त मानकर उसने पागलपन का मुजाहिरा तो नहीं किया? अली की पूरी बात पर कुछ पल विचार करने के बाद ईदी ने उससे कहा : 'चिंता मत करो दोस्त, मैं तुम्हारी मदद करूंगा। कल रात, जब तुम पहाड़ की चोटी पर बैठो, तो बिल्कुल आगे की ओर देखना। मैं सामने वाले पहाड़ की चोटी पर रहूंगा, जहां पर मैं तुम्हारे लिए पूरी रात आग जलाए रखूंगा। तुम आग को देखना और हमारी दोस्ती के बारे में सोचना; और यह तुम्हें गरम रखेगा। तुम आसानी से रात निकाल लोगे, और बाद में मैं तुमसे इसके बदले में कुछ मांगूंगा।' ठीक वैसा ही हुआ। अली के सामने वाले पहाड़ की चोटी पर ईदी ने रात भर अलाव सुलगाए रखा और अली भी एकटक उसे निहारता रहा। उसने शर्त जीत ली। मालिक से इनाम की रकम लेकर वह अपने दोस्त ईदी के घर पहुंचा और बोला, 'तुमने कहा था कि तुम बदले में कुछ मांगोगे, मांगो?' ईदी ने कहा, 'हां दोस्त, मगर वह पैसा नहीं है। वादा करो कि अगर कभी मेरी जिंदगी में ठंडी हवा चली, तो तुम मेरे लिए दोस्ती की आग जलाओगे।'

प्रस्तुतिः पाउलो कोएल्हो

जीवन ऊर्जा

स्कॉट बकुलाः जन्म-9 अक्टूबर, 1954 | जन्म

स्कॉट बकुला एक अमेरिकी अभिनेता हैं, जिन्हें क्वांटम लीप और स्टार ट्रेकः एंटरप्राइज जैसी लोकप्रिय टेलीविज़न सीरीज़ में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। 9 अक्टूबर, 1954 को जन्मे, वे फ़िल्मों और थिएटर में भी नज़र आ चुके हैं। बकुला को उनकी बहुमुखी प्रतिभा और करिश्मे के लिए जाना जाता है, जिन्होंने अपने पूरे करियर में प्रशंसा अर्जित की है।

सीखना कभी बंद न करें

जीवन आश्चर्यों से भरा है, और उन्हें गले लगाना महत्वपूर्ण है। आपको अपने दिल की बात माननी होगी। सच्ची खुशी पाने का यही एकमात्र तरीका है। सीखना कभी बंद न करें। हर दिन बढ़ने का अवसर है। अभिनय खुद से बड़ी किसी चीज़ का हिस्सा बनने का एक तरीका है। खुद पर विश्वास रखें, तब भी जब दूसरे आप पर संदेह करें। यात्रा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि मंजिल। जोखिम लेने से न डरें; वे अक्सर सबसे बड़े पुरस्कारों की ओर ले जाते हैं। आप जो हैं और जिस पर आप विश्वास करते हैं, उसके प्रति सच्चे रहें। सबसे अच्छी कहानियां वास्तविक जीवन के अनुभवों से आती हैं। अपने आप को ऐसे सकारात्मक

लोगों से घेरें जो आपको ऊपर उठाते हैं। छोटी-छोटी चीज़ों में खुशी पाएं; वे अक्सर सबसे ज़्यादा मायने रखती हैं। मैं जो भी भूमिका निभाता हूं, वह मुझे अपने बारे में कुछ नया सिखाती है। अपने सपनों की खोज में धैर्यवान और दृढ़ रहना महत्वपूर्ण है। असफलता सफलता की ओर एक कदम है। पल में जियो; यह सब हमारे पास है। हमेशा नए अवसरों के लिए तैयार रहें। आपका जुनून आपकी सफलता को बढ़ावा दे सकता है। जीवन में हास्य आवश्यक है; यह हमें कठिन समय से निपटने में मदद करता है। कड़ी मेहनत करें, लेकिन जीवन का आनंद लेने के लिए भी समय निकालें। सुनना बोलने जितना ही महत्वपूर्ण है। हर अनुभव, अच्छा या बुरा, आपको आकार देता है। संतुलन महत्वपूर्ण है; काम और खेल दोनों के लिए समय निकालें। अपने रिश्तों को संजोए; वे ही वास्तव में मायने रखते हैं। जिज्ञासु बने रहें; यह जीवन को दिलचस्प बनाता है।

प्रेरक प्रसंग

असफलता से निराश न हों, उसके कारणों को खाजें

रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो। जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

शख्सियत | मीरा शंकर

वैश्विक संबंधों में अग्रणी भारतीय राजनयिक

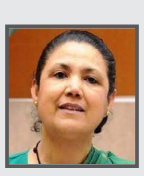

मीरा शंकर एक प्रतिष्ठित भारतीय राजनयिक हैं, जिन्हें विदेशी संबंधों और कूटनीति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। 1950 में जन्मी, उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नैनीताल के सेंट मैरी कॉन्वेंट में पूरी की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1973 में, वह भारतीय विदेश सेवा (IFS) में शामिल हुईं, जिससे वह इस प्रतिष्ठित क्षेत्र में अग्रणी महिलाओं में से एक बन गईं।

अपने पूरे करियर के दौरान, शंकर ने भारतीय राजनयिक कोर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। 2009 से 2011 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के राजदूत के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, उन्होंने जर्मनी में भारत के राजदूत के रूप में कार्य किया। उनके व्यापक अनुभव में बांग्लादेश और संयुक्त राष्ट्र में भारतीय दूतावासों में सेवा करना भी शामिल है। इन भूमिकाओं में, उन्होंने महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों पर काम किया, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया और प्रमुख वैश्विक मुद्दों को संबोधित किया। अमेरिका में भारत के राजदूत के रूप में, शंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से व्यापार, रक्षा और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। उनका कार्यकाल भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के कार्यान्वयन के साथ मेल खाता था। असैन्य परमाणु समझौते में मीरा शंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में उनकी अहम भूमिका रही थी। शंकर अपनी कूटनीतिक कुशलता,अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता की गहरी समझ और विविध हितधारकों के साथ जुड़ने की क्षमता के लिए जानी जाती थीं। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, शंकर ने अकादमिक और सार्वजनिक भाषण भूमिकाओं में शामिल होकर कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा। उन्होंने विदेश नीति, वैश्विक शासन और कूटनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के महत्व पर अपने विचार साझा किए हैं।

मीरा शंकर का करियर विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में प्रवेश करने की इच्छुक महिलाओं के लिए प्रेरणा का काम करता है। उनकी यात्रा न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण को दर्शाती है, बल्कि कूटनीति में महिलाओं की उभरती भूमिका को भी दर्शाती है, जो दिखाती है कि वे कैसे बाधाओं को तोड़ सकती हैं और वैश्विक परिदृश्य को आकार दे सकती हैं। अपने प्रभावशाली काम के माध्यम से, उन्होंने भारत की विदेश नीति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

ॐ नमः शिवाय, शिवलिंग का अर्थ क्या है?

ॐ हौं जूं सः ॐ भुर्भवः स्वः ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। ऊर्वा रुकमिव बन्धनान्मृत्यो र्मुक्षीय मामृतात् ॐ भुवः भूः स्वः ॐ सः जूं हौं ॐ।।

वायुपुराण, ब्रह्मांड का प्रतीक ज्योतिर्लिंग

शिवलिंग का आकार-प्रकार ब्रह्मांड में घूम रही हमारी जाती है। शिव की सबसे ज्यादा पूजा लिंग रूपी पत्थर के रूप में ही की जाती है। लिंग शब्द को लेकर बहुत भ्रम होता है। संस्कृत में लिंग का अर्थ है चिह्न। इसी अर्थ में यह शिवलिंग के लिए इस्तेमाल होता है। शिवलिंग का अर्थ है : शिव यानी परमपुरुष का प्रकृति के साथ समन्वित-चिह्न।

अन्य रुद्र या शंकर के अंशावतार-

इन अवतारों के अतिरिक्त शिव के दुर्वासा, हनुमान, महेश, वृषभ, पिप्पलाद, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, अवधूतेश्वर, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, ब्रह्मचारी, सुनटनतर्क, द्विज, अश्वत्थामा, किरात और नतेश्वर आदि अवतारों का उल्लेख भी 'शिव पुराण' में हुआ है। हनुमान ग्यारहवें रुद्रावतार माने जाते हैं।

भैरव : भैरव भी कई हुए हैं जिसमें से काल भैरव और बटुक भैरव दो प्रमुख हैं। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शिव की पंचायत के

सदस्य हैं। वैदिक काल के रुद्र और उनके अन्य स्वरूप तथा जीवन दर्शन को पुराणों में विस्तार मिला।

शिव के द्वारपालः- नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

शिव पंचायत के देवताः- 1.सूर्य, 2.गणपति, 3.देवी, 4.रुद्र और 5.विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

शिव पार्षदः-जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं। यहां देखा गया है कि नंदी और भृंगी गण भी है, द्वारपाल भी है और पार्षद भी।

शिव गणः–भगवान शिव के गणों में भैरव को सबसे प्रमुख माना जाता है। उसके बाद नंदी का नंबर आता और फिर वीरभ्रद्र। जहां भी शिव मंदिर स्थापित होता है, वहां रक्षक (कोतवाल) के रूप में भैरवजी की प्रतिमा भी स्थापित की जाती है। भैरव दो हैं- काल भैरव और बटुक भैरव। दूसरी ओर वीरभद्र शिव का एक बहादुर गण था जिसने शिव के आदेश पर दक्ष प्रजापति का सर धड़ से अलग कर दिया। देव संहिता और स्कंद पुराण के अनुसार शिव ने अपनी जटा से 'वीरभद्र' नामक गण उत्पन्न किया।

इस तरह उनके ये प्रमुख गण थे-

भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। ये सभी गण धरती और ब्रह्मांड में विचरण करते रहते हैं और प्रत्येक मनुष्य, आत्मा आदि की खैर-खबर रखते हैं।

सप्तऋषि गण शिव के शिष्य हैं:

शिव ने अपने ज्ञान के विस्तार के लिए 7 ऋषियों को चुना और उनको योग के अलग-अलग पहलुओं का ज्ञान दिया, जो योग के 7 बुनियादी पहलू बन गए। वक्त के साथ इन 7 रूपों से सैकड़ों शाखाएं निकल आईं। अब यदि उक्त ऋषियों या उनके परंपरा के किसी महान ऋषि को हम शिव या उनका अवतार ही मानने लगे और उनका गुणगान करने लगे तो यह उचित नहीं होगा। इस तरह भ्रम का विस्तार ही होता है। अंगिरा ऋषि को शिव का सक्षात् रूप माना जाता है। उसी तरह हम यदि भैरव को भी शिव माने तो यह पुराणिक विस्तार ही है।

देवों के देव महादेव : देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

केले के बदलते रंगों में छिपा है सेहत का राज

क्या आप जानते हैं कि केले का रंग आपके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को बदल सकता है? जैसे-जैसे केले पकते हैं, उनका रंग हरे से पीले और फिर भूरे रंग में बदल जाता है, और प्रत्येक परिवर्तन के साथ, उनके पोषण मूल्य भी बदल जाते हैं। हरे केले फाइबर से भरे होते हैं, जबकि पीले केले त्वरित ऊर्जा से भरे होते हैं। दूसरी ओर, भूरे केले एंटीऑक्सीडेंट से भरे होते हैं। चाहे आप अपने पेट के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहते हों या मीठा खाने की इच्छा रखते हों, आपके द्वारा चुने गए केले का रंग मायने रखता है! आइए जानें कि केले का पकना उसके स्वास्थ्य लाभों को कैसे बदल सकता है।

हरे रंग के केले

प्रतिरोधी स्टार्च और फाइबर से भरपूर

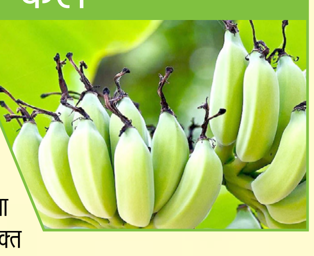

प्रतिरोधी स्टार्च: हरे केले प्रतिरोधी स्टार्च से भरे होते हैं, एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट जो फाइबर की तरह काम करता है। यह आसानी से पचता नहीं है, जिससे रक्त शर्करा को नियंत्रित करने और आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

कम मीठापन: चूंकि स्टार्च अभी तक चीनी में परिवर्तित नहीं हुआ है, इसलिए हरे केले में चीनी कम होती है, जो उन्हें चीनी के सेवन को नियंत्रित करने वालों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

पाचन में सुधार: उच्च फाइबर सामग्री परिपूर्णता और स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देने में सहायता करती है, जिससे हरे केले उन लोगों के लिए एक बढ़िया विकल्प बन जाते हैं जो अपने आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं।

पीले रंग के केले

त्वरित ऊर्जा और संतुलित पोषण

पचाने में आसान: जैसे–जैसे केले पकते हैं और पीले होते हैं, प्रतिरोधी स्टार्च चीनी (ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज) में बदल जाता है। इससे उन्हें पचाना आसान हो जाता है और वे त्वरित ऊर्जा का एक अच्छा स्रोत बन जाते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर: पीले केले में डोपामाइन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं और हृदय रोग के जोखिम को कम कर सकते हैं।

विटामिन और खनिज: पीले केले विटामिन सी और बी6 जैसे विटामिन का एक अच्छा स्रोत हैं, और पोटेशियम से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ रक्तचाप और मांसपेशियों के कार्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कसरत के लिए अच्छा: चीनी और फाइबर का उनका संतुलन पीले केले को व्यायाम से पहले या बाद में ऊर्जा प्रदान करने के लिए एकदम सही बनाता है।

भूरे रंग के केले

एंटीऑक्सीडेंट और प्राकृतिक शर्करा से भरपूर

सबसे मीठे केले: भूरे केले में सबसे ज़्यादा चीनी होती है, जो उन्हें सबसे मीठा बनाता है। स्टार्च का चीनी में रूपांतरण पूरा हो जाता है, जिससे उन्हें एक नरम बनावट और भरपूर स्वाद मिलता है।

एंटीऑक्सीडेंट में वृद्धि: चीनी में उच्च होने के बावजूद, भूरे केले एंटीऑक्सीडेंट से भरे होते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं और आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं।

रेसिपी के लिए बेस्ट: अपनी मिठास और नरम बनावट के कारण, भूरे केले बेकिंग (जैसे, केले की ब्रेड) या स्मूदी में मिलाने के लिए आदर्श होते हैं।

हरा बनाम पीला बनाम भूरा केला

कब चुनें कौन सा?

ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए: अगर आप अपने ब्लड शुगर को नियंत्रित करना चाहते हैं तो हरे केले चुनें, क्योंकि इनमें कम चीनी और ज़्यादा प्रतिरोधी स्टार्च होता है, जिसका ब्लड शुगर लेवल पर कम असर होता है।

त्वरित ऊर्जा के लिए: पीले केले त्वरित ऊर्जा और पोषण का एक सही संतुलन प्रदान करते हैं, जो उन्हें सक्रिय व्यक्तियों या दोपहर के नाश्ते के लिए बढ़िया बनाता है।

एंटीऑक्सीडेंट बूस्ट के लिए: भूरे केले सबसे ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं, इसलिए अगर आप स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहते हैं तो वे एक अच्छा विकल्प हैं, लेकिन अगर आप चीनी के सेवन को लेकर चिंतित हैं तो इनका सेवन कम मात्रा में करें।

करवा चौथ पर सरगी की थाली को बनाएं हेल्दी

करवा चौथ एकविशेष त्योहार है, जो हर साल भारतीय महिलाओं द्वाराअपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इस साल, करवा चौथ 20 अक्टूबरको आ रहा है, और इसकी तैयारी में सरगी थाली का खास महत्व होता है। सरगी थाली में वह सब कुछ होता है जो एकमहिला को व्रत के दिन ऊर्जा और ताकत देता है। इसमें शामिल होते हैं सूखे मेवे, ताजे फल, दही, और अन्य पौष्टिक चीजें। सही सरगी थाली के साथ, महिलाएं अपने व्रत को न केवल सफल बनाती हैं, बल्कि अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती हैं।आइए जानते हैं सरगीथाली में क्या-क्या होना चाहिए, ताकिइस करवा चौथ कापर्व और भी खास बन सके!

सुखा मेवा : सुखे मेवे, जैसे कि बादाम, काजू,पिस्ता, और अखरोट, सरगी में शामिल किए जाने चाहिए। ये उच्च गुणवत्ता केप्रोटीन, फाइबर, औरस्वस्थ वसा से भरपूर होते हैं। ये मेवे न केवल आपको ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्किआपके त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

फलों का सलाद : फलों का सलाद आपके सरगी थाली में एक ताजगी भरा विकल्प है।सेब, नाशपाती, अनार, औरकेला जैसे फल विटामिन C, फाइबरऔर एंटीऑक्सीडेंट से भरे होते हैं। इनसे शरीर को आवश्यक पोषण मिलता है और ये आपकोताजगी का अहसास कराते हैं।

दही या छाछ : दही या छाछ का सेवन पाचन के लिए फायदेमंद होता है। दही मेंप्रोटीन, कैल्शियमऔर प्रोबायोटिक्स होते हैं,जो पेट की सेहत को बनाए रखते हैं। छाछ पीने से शरीर में जलका संतुलन बना रहता है, जोउपवास के दौरान महत्वपूर्ण है।

साबूदाना खिचड़ी : साबूदाना खिचड़ी उपवास के दौरान एक लोकप्रिय और पौष्टिकविकल्प है। इसे साबूदाना, आलू, मूंगफलीऔर मसालों के साथ बनाया जाता है। यह आसानी से पचने वाला और ऊर्जा देने वाला व्यंजनहै।

राजगीरा या कुटूके आटे की रोटी : राजगीरा या कुटू के आटे की रोटी को सरगी में शामिल करना एकअच्छा विचार है। ये रोटियां फाइबर से भरपूर होती हैं और लंबे समय तक भूख नहीं लगनेदेतीं। इन्हें घी या तेल के साथ परोसा जा सकता है, जिससे इनका स्वाद और बढ़ जाता है।

लौकी का हलवा : लौकी का हलवा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक मिठाई है। इसे लौकी, गुड़और मेवों के साथ बनाया जाता है। यह हलवा न केवल मीठा और स्वादिष्ट होता है, बल्कियह आपको ऊर्जा भी प्रदान करता है।

कोकोनट बर्फी : कोकोनट बर्फी एक बेहतरीन मिठाई है, जोउपवास के दौरान खाई जा सकती है। इसे नारियल, चीनी और मेवों से बनाया जाता है। यह न केवलस्वादिष्ट है, बल्किस्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

पानी और नींबूपानी : उपवास के दौरान हाइड्रेशन बहुत आवश्यक है। इसलिए, सरगीमें पानी या नींबू पानी शामिल करना न भूलें। नींबू पानी शरीर को ताजगी और ऊर्जाप्रदान करता है।

मूड को सुधरता है विटामिन बी12

विटामिन बी12 एक अत्यंत महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो शरीर के विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यक होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र की सही कार्यप्रणाली को बनाए रखने में मदद करता है। इसके बिना शरीर में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। आइए जानते हैं विटामिन बी12 के फायदे और इसके महत्व के बारे में।

◆ लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण

विटामिन बी12 लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह विटामिन शरीर में रक्त निर्माण प्रक्रिया को सही रखता है। अगर शरीर में बी12 की कमी होती है, तो यह रक्त कोशिकाओं के आकार और संख्या में असामान्यताओं का कारण बन सकता है, जिससे एनीमिया हो सकता है। एनीमिया के कारण शरीर में थकान, कमजोरी, और श्वसन समस्या हो सकती है।

◆ मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण

विटामिन बी12 तंत्रिका तंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका कोशिकाओं की सुरक्षा करता है और उनके कार्यों को सही ढंग से संचालित करता है। बी12 की कमी से तंत्रिका तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे याददाश्त की समस्या, मानसिक थकावट, या डिमेंशिया जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। यह मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बनाए रखने और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है।

◆ ऊर्जा का स्तर बढ़ाना

विटामिन बी12 ऊर्जा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा को ऊर्जा में परिवर्तित करने में मदद करता है। जो लोग बी12 की कमी से पीड़ित होते हैं, वे अक्सर थकान और कमजोरी महसूस करते हैं। विटामिन बी12 की नियमित मात्रा से शरीर में ऊर्जा का स्तर बना रहता है और शारीरिक थकान कम होती है।

◆ मूड को सुधारने में सहायक

विटामिन बी12 मूड और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। यह मस्तिष्क में सेरोटोनिन नामक रसायन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो व्यक्ति के मूड को सुधारने में सहायक होता है। बी12 की कमी से डिप्रेशन या मानसिक अस्थिरता जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। बी12 का उचित स्तर मानसिक स्थिरता और खुशी को बनाए रखने में मदद करता है।

◆ हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखना

विटामिन बी12 हृदय स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह शरीर में होमोसिस्टीन नामक रसायन के स्तर को नियंत्रित करता है, जो हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकता है। बी12 की कमी से होमोसिस्टीन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। नियमित विटामिन बी12 का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है और दिल के दौरे या अन्य हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव करता है।

लंच के बाद गुड़ और घी खाने के हैं अचूक फायदे

भारत में पुराने समय से ही भोजन के बाद गुड़ और घी का सेवन एक परंपरा रही है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। गुड़ और घी का मेल पोषण तत्वों से भरपूर है जो शरीर को कई प्रकार के लाभ पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं, दोपहर के खाने के बाद गुड़ और घी खाने के क्या फायदे हो सकते हैं।

1. पाचन शक्ति में सुधार

गुड़ का सेवन भोजन को पचाने में मदद करता है। इसमें प्राकृतिक शर्करा होती है, जो भोजन के बाद पेट को शांत करती है और एसिडिटी की समस्या को कम करती है। घी में ओमेगा–3 फैटी एसिड होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और आंतों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है। भोजन के बाद थोड़ा गुड़ और घी खाने से पाचन में सहायता मिलती है और पेट हल्का महसूस होता है।

2. शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है

दोपहर का भोजन करने के बाद अक्सर आलस्य या थकावट महसूस होती है। गुड़ और घी का मिश्रण शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। गुड़ में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर में धीरे–धीरे घुलता है, जिससे ऊर्जा लंबे समय तक बनी रहती है। घी में मौजूद स्वस्थ वसा शरीर को ताकत देती है और थकान को कम करती है।

3. वजन बढ़ाने में सहायक

जो लोग वजन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए गुड़ और घी का सेवन विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। गुड़ में कैलोरी होती है और घी में स्वस्थ वसा, जो शरीर में मांसपेशियों को बढ़ाने और वजन को बढ़ाने में मदद करता है। यह कमज़ोर लोगों के लिए एक प्राकृतिक तरीका है जिससे वे अपने शरीर को मजबूत और स्थिर बना सकते हैं।

4. शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि

गुड़ में मौजूद आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। घी में भी एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। गुड़ और घी का सेवन नियमित रूप से करने से सर्दी–खांसी जैसी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर को संक्रमण से लड़ने की शक्ति मिलती है।

5. त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

गुड़ और घी का सेवन त्वचा और बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। गुड़ में मौजूद आयरन और विटामिन्स रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं, जिससे त्वचा में निखार आता है। घी में विटामिन E और फैटी एसिड होते हैं, जो त्वचा को पोषण देते हैं और बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं। दोपहर के खाने के बाद गुड़ और घी का सेवन करने से त्वचा में प्राकृतिक चमक आती है और बालों का झड़ना भी कम होता है।

6. मेटाबोलिज्म में सुधार

गुड़ और घी का मिश्रण मेटाबोलिज्म को बढ़ाने में सहायक होता है। यह शरीर में चयापचय प्रक्रिया को तेज करता है और विषैले पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और व्यक्ति अधिक सक्रिय महसूस करता है। जो लोग अपने वजन को नियंत्रित रखना चाहते हैं, उनके लिए यह एक आदर्श उपाय हो सकता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: आज पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें।

वृष: नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

कर्क: शादी की बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। व्यवसाय ठीक चलेगा

सिंह: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या: आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

तुला: प्रेम-प्रसंग में समय अच्छा रहने से आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

वृश्चिक: राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर: घर-परिवार में कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ: कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रसन्नता रहेगी। आंखों को चोट व रोग से बचाएं।

मीन: व्यवसाय में आय में निश्चितता रहेगी। नौकरीपेशा को प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

रामचरित मानस के चमत्कार

जिस घर में मात्र पूर्णिमा को प्रति माह रामायण का पाठ होता है उस घर में अकाल मृत्यु नहीं होती है।

जिस घर में श्री रामचरित मानस रखी होती है वहां कभी भूत , पिशाच , प्रेतों का वास नहीं होता है।

जिस घर में रामायण के पास शाम के समय देशी गाय के घी का दीपक जलाया जाता है उस घर में अन्न की कमी कभी नहीं होती है।

जिस घर में श्री रामचरित मानस के पास सुबह शाम गौ माता के घी का दीपक प्रतिदिन जलाया जाता है उस घर में आरोग्य बढ़ता है। बीमारियां कम होती हैं।

जिस घर में यदि श्री रामचरित मानस की शाम के समय देशी गाय के घी का दीपक जलाकर श्री रामचरित मानस की आरती प्रतिदिन होती है उस घर पर श्रीराम जी की कृपा सदैव रहती है और घर में शांति का वातावरण रहता है। प्रभु की कृपा रहती है।

प्रियंका जैन
9769994439

जिस घर में प्रति सप्ताह रामयण का पाठ होता है उस घर पर श्रीराम जी व माता सीता जी की कृपा सदैव रहती है। उस घर में बच्चों की वृद्धि होती है।

जिस घर में प्रतिदिन रामायण का पाठ होता है। उस घर पर भगवान शिव, श्रीराम जी, सीता जी, श्री हनुमानजी, शनिदेव , नव ग्रह , 33 कोटि देवी देवताओं की सदैव कृपा रहती है।

उस घर से दरिद्रता भाग जाती है, उस परिवार का यश बढ़ने लगता है, उस घर पर साक्षात माँ लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है। बच्चों को कभी भय नही लगता है। भूत , प्रेत , पिशाच वहां प्रवेश नहीं कर सकते हैं । वह घर सुख, शान्ति, समृद्धि, धन, अन्न, संतान, मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदारों आदि से परिपूर्ण होता है।

रामायण की एक एक चौपाई लाखों मंत्रो के बराबर है और हर चौपाई कुछ न कुछ देने वाली है। हर भारतीय के घर में रामायण होनी चाहिए , पारिवारिक मैनेजमेंट रामायण हमें सिखाती है। रामायण हमें संसार में जीना सिखाती है..!!

जय श्री राम

खबर संक्षेप

प्राकृतिक आपदा पीड़ित सात परिवारों को 28 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित सात परिवारों को 28 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके तहत् तहसील तोकापाल ग्राम कुरेंगा निवासी गुड्डी की मृत्यु सांप काटने से भाई रघु को , ग्राम सालेपाल निवासी दशो की मृत्यु पानी में डूबने से पुत्र दुला को, तहसील लोहण्डीगुड़ा ग्राम कोड़ेबेड़ा निवासी गायत्री की मृत्यु सांप काटने से पति कार्तिक को, तहसील करपावण्ड ग्राम पथरी निवासी पदमनी की मृत्यु सांप काटने से पति बंधु को ग्राम छिन्दगांव निवासी राजेन्द्र ठाकुर की मृत्यु पानी में डूबने से माता प्यासी ठाकुर को, तहसील बकावण्ड ग्राम छोटेदेवड़ा निवासी आसमन की मृत्यु सांप काटने से पत्नी दशाय को और तहसील दरभा ग्राम पखनार निवासी गुद्रो उर्फ गुंडरू की मृत्यु सांप काटने से पुत्र रूपू प्रत्येक को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

चलती ट्रेन से उतरते समय गिरा युवक, फंसने से कटा पैर

अनूपपुर। कटनी से बिलासपुर जाने वाली मेमू ट्रेन से शहडोल से अनूपपुर की यात्रा कर ट्रेन से उतरते समय 40 वर्षीय युवक का रेलवे स्टेशन अनूपपुर प्लेटफार्म में पटरी के नीचे आ जाने से एक पैर घुटने के नीचे कट गया जिसे जिला चिकित्सालय अनूपपुर में देर रात भर्ती किए कराया गया जिसका मंगलवार को विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार की देर शाम छत्तीसगढ़ के गौरेला निवासी 40 वर्षीय गोलू बैगा पिता समनू बैगा सोमवार की शाम कटनी से बिलासपुर जाने वाली मेमू ट्रेन में शहडोल से अनूपपुर आ रहा था।

दाखिल खारिज के छह लाख मामले लंबित

पटना। बिहार के अंचल कार्यालयों में दाखिल खारिज के करीब छह लाख मामले लंबित हैं। साथ ही डिजिटाइज्ड जमाबंदी में सुधार और छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करने के लिए परिमार्जन प्लस पर किये आवेदनों के निपटारे की गति भी बहुत धीमी है। इस कारण जमीन के दस्तावेज अपडेट नहीं हो रहे हैं। इसका असर जमीन सर्वे की प्रकिया पर भी हो रहा है और कागजात के अभाव में जमीन के वास्तविक रैयतों द्वारा सर्वे के लिए स्वघोषणा करने की गति भी धीमी है।

एसआई भर्ती मामला

खुलासा : मादक पदार्थ तस्करों के 26 रिश्तेदार पेपर लीक के माध्यम से बने थानेदार

एसओजी जल्द लेगी एक्शन

एजेंसी । जयपुर

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के मामले में गिरफ्तार सगे तस्कर के बेटा-बेटी ने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की पूछताछ में कई अहम खुलासे किए है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि तस्करों के करीब 26 रिश्तेदार पेपर लीक के माध्यम से थानेदार बने है और अभी वे ट्रेनिंग कर रहे है। एसओजी दिनेश और प्रियंका के फरार पिता की तलाश कर रही है। एसओजी ने बहन-भाई को सोमवार को कोर्ट में पेश कर 11 अक्टूबर तक रिमांड पर ले लिया गया।

24 से अधिक ट्रेनी एसआई के परिजन-रिश्तेदार मादक पदार्थ तस्कर गैंग से जुड़े

गौरतलब है कि एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में 6 अक्टूबर को ट्रेनी एसआई भाई-बहन दिनेश विश्नोई (27) और प्रियंका विश्नोई (28) को अरेस्ट किया गया था। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि राजस्थान पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग कर रहे 24 से अधिक ट्रेनी एसआई के परिजन-रिश्तेदार मादक पदार्थ तस्कर गैंग से जुड़े है। एसओजी ने पूछताछ में सामने आए सभी को चिन्हित कर लिया है। इन सभी की भूमिका की जांच की जा रही है। इनकी पेपर लीक करवाने में क्या भूमिका थी। माना जा रहा है कि पिता भागीरथ के अरेस्ट होने पर एसआई पेपर लीक मामले में शामिल रहे अन्य मादक पदार्थ तस्करों के बारे में खुलासा हो सकेगा। भागीरथ ने बेटा-बेटी को एसआई बनाने के लिए 15 लाख रुपए में पेपर लिया था। 14 सितम्बर 2024 को गोपाल सहारण ने एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर पढ़वाया था। उसी दिन ओमप्रकाश फौजी ने भी कई अभ्यर्थियों को लीक हुए पेपर को पढ़ाया था। एसओजी एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर पढ़ने वाले आरोपियों को चिन्हित कर रही है, जिन्हें ओमप्रकाश ने पेपर पढ़वाया था। पूछताछ में सामने आया है कि पेपर लीक मामला सामने आने के बाद तय हुआ था कि कोई किसी का नाम नहीं बताएगा। परीक्षा रद्द होने पर भाग जाने की तैयारी थी। परीक्षा रद्द नहीं होने तक चुपचाप रहकर प्रशिक्षण पूरा करेंगे। इसके चलते दोनों भाई-बहन भी चुपचाप ट्रेनिंग ले रहे थे।

अब तक 45 ट्रेनी एसआई हो चुके हैं गिरफ्तार

अब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 45 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी। पेपर लीक मामले में एसओजी के सामने अब तक मादक पदार्थ के तीन तस्कर के नाम सामने आ चुके हैं। जोधपुर के मादक पदार्थ तस्कर श्रवण बाबल को एसओजी ने अरेस्ट किया था। उसने अपनी बेटी चंचल व अन्य रिश्तेदारों के लिए एसआई पेपर खरीदा था। उसकी बेटी चंचल के परीक्षा से पहले पेपर मिलने पर थानेदार बनने पर अरेस्ट किया गया था। वहीं, मादक पदार्थ तस्कर ओमप्रकाश फौजी को भी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। तस्कर ओमप्रकाश ने जयपुर में फ्लैट किराए पर लेकर दो दर्जन से अधिक परीक्षार्थियों को मोटी रकम लेकर पेपर उपलब्ध करवाया था। एसओजी ने ओमप्रकाश से पूछताछ के बाद कुछ ट्रेनी एसआई को भी अरेस्ट किया था। पेपर लीक मामले में मादक पदार्थ तस्कर भागीरथ का नाम अब एसओजी के सामने है। पेपर लीक से थानेदार बने बेटे-बेटी को अरेस्ट करने के बाद एसओजी तस्कर भागीरथ की तलाश कर रही है।

वाराणसी रेलवे स्टेशन पर मिला सोने का जेवर

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी रेलवे स्टेशन पर इतना सोने का जेवर मिला है जिसे देखकर किसी की भी आंखें चौंधिया जाए। यह जेवर जीआरपी ने प्लेटफार्म नंबर-8 पर एक यात्री के पास से बरामद किया है। जेवर का वजन करीब चार किलो और कीमत चार करोड़ आठ लाख तीन हजार 672 रुपये आंकी गई है। इस सोने की सप्लाई पटना में होनी थी। सोना भेजने वाले ने बैग में जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस भी लगाया था। ताकि यह पता चल सके कि बैग कहां है। दस्तावेज पूरा नहीं दिखाने पर यात्री और सोने को जब्त कर आयकर विभाग को सौंप दिया गया है। जीआरपी क्षेत्राधिकारी कुंवर प्रभात सिंह में बताया कि मूलरूप से राजकोट (राजस्थान) निवासी राजेश अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस से कैंट स्टेशन पहुंचा था। यहां से जनरल टिकट पर वह पटना जाने की तैयारी में था। प्लेटफार्म नं. आठ पर एस्केलेटर के पास राजेश के हावभाव संदिग्ध दिखे।

झारखंड ऊर्जा निगम के 109 करोड़ फर्जी खाते में ट्रांसफर

तीन राज्यों में SIT के छापे, कोलकाता का है मास्टरमाइंड

एजेंसी । रांची

झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से 109 करोड़ रुपये झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (जेटीडीसी) के फर्जी खाते में हस्तांतरित होने का मामला सामने आया है। इस मामले में डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर गठित सीआइडी व एटीएस की संयुक्त एसआइटी ने सोमवार को एक साथ रांची, रामगढ़, मुजफ्फरपुर और कोलकाता में छापा मारा। इस दौरान टीम ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। दूसरी ओर बैंकों में ट्रांसफर किये गये 35 करोड़ रुपये को जांच एजेंसी ने फ्रीज करा दिया है। एसआइटी में एटीएस एसपी रिषभ झा के अलावा तीन एसपी, साइबर डीएसपी मुन्ना सहित अन्य पुलिस अफसरों को शामिल किया गया है।

जेटीडीसी के फर्जी अकाउंट में हो रहा था ट्रांसफर

अब तक की जांच में पता चला है कि ऊर्जा निगम के सेंट्रल बैंक स्थित खाते से करीब एक साल से पैसा जेटीडीसी के फर्जी अकाउंट में ट्रांसफर हो रहा था। अब तक सात लेयर में पैसे को फ्रीज कराया जा सका है। इसके बाद पैसे को कई चरणों में सैंकड़ों अकाउंट में ट्रांसफर किया गया है। इस पूरे खेल का शातिर कोलकाता का मास्टरमाइंड और उसका गिरोह है। इससे पहले जेटीडीसी के नाम पर फर्जी खाता खुलवा कर उससे दूसरे के अकाउंट में 10 .44 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर निकासी का मामला सामने आया था। इस मामले में धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। इस मामले को सीआइडी को ट्रांसफर करने के बाद रांची स्थित साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सीआइडी 10 .44 करोड़ के साथ ही 109 करोड़ रुपए के मामले की भी जांच करेगी।

पर्यटन विभाग ने ऊर्जा विभाग को लिखा था पत्र

झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के सेंट्रल बैंक हिनू शाखा में संचालित खाते से उक्त राशि केनरा बैंक की हटिया शाखा में जेटीडीसी के नाम से खोले गये फर्जी खाता में ट्रांसफर किया गया था। यह ट्रांजेक्शन लंबे समय से हो रहा था। जेटीडीसी के निदेशक ने जेटीडीसी के फर्जी खाते से 10 .44 करोड़ का ट्रांजेक्शन पकड़ा था।

कपड़ा दुकान का ताला तोड़कर चोरी

एजेंसी । त्रिवेणीगंज

थाना क्षेत्र अंतर्गत गौनहा पंचायत के भोटभंगा चौक पर सोमवार की रात चोरों ने एक कपड़ा दुकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। गौनहा पंचायत के वार्ड नंबर 08 निवासी पीड़ित कपड़ा दुकानदार बबलू कुमार ने बताया कि सोमवार को करीब आठ बजे रात में अपनी रेडीमेड दुकान बंद कर अपने घर चले गए। जब सुबह करीब साढ़े आठ बजे अपनी दुकान पर आया तो देखा कि दुकान का लकड़ी से बना दरवाजा टूटा हुआ था। साथ ही दुकान में रखे कपड़ा एवं अन्य सामान गायब थे। पीड़ित के अनुसार, लगभग डेढ़ लाख रुपये के कपड़ा की चोरी हुई है। पीड़ित ने चोरी की घटना को लेकर थाना में आवेदन दिया है। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि आवेदन मिला है। घटना की छानबीन की जा रही है।

अब शाही की जगह राजसी और पेशवाई के स्थान पर छावनी प्रवेश

एजेंसी । वाराणसी

मुगलकालीन गुलामी के प्रतीक शाही स्नान और पेशवाई दोनों की जगह सोमवार को नए सनातनी नाम अखाड़ा परिषद ने तय कर लिए। साथ ही इस संबंध में लिखित प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। लंबे विचार विमर्श के बाद पेशवाई की जगह छावनी प्रवेश और शाही स्नान को राजसी स्नान नाम दिया गया। अब महाकुंभ के रिकॉर्ड में पेशवाई और शाही शब्दों को बदलने का एलान सरकार की ओर से दीपावली के बाद किए जाने के संकेत मिले हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने शब्दों को बदलने के लिए सोमवार को दिनभर चिंतन किया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी और महामंत्री महंत हरी गिरी के साथ अन्य पदाधिकारियों ने विद्वानों से लिए गए सुझाव पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद 20 से अधिक सुझाव में से दो विकल्पों का चयन किया गया। इसमें शाही स्नान को राजसी स्नान करने और पेशवाई को छावनी प्रवेश किए जाने पर मोहर लगाई गई।

सीएम खुद करेंगे नए नामों का एलान

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि संत समाज और विद्वानों से लिए गए सुझाव में से दो नाम चुने गए हैं। उन्होंने कहा की दीपावली के बाद प्रयागराज में अखाड़ा परिषद की बैठक होनी है। उनका कहना है कि उस बैठक के बाद चयनित नए नामों का आधिकारिक एलान होगा। सूत्रों का कहना है की दीपावली बाद योगी आदित्यनाथ खुद प्रयागराज आकर गुलामी के प्रतीक इन दोनों शब्दों को बदलकर नए नामों का एलान करेंगे।

तीन नेताओं ने रची थी डासना देवी मंदिर पर हमले की साजिश

एजेंसी । गाजियाबाद

- गाजियाबाद पुलिस को मिले खुफिया इनपुट
- 250 से अधिक लोगों पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाई
- अल्ट न्यूज से जुड़े मोहम्मद जुबैर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

डासना देवी मंदिर पर तीन राजनेताओं ने पर्दे के पीछे से हमले की साजिश रची थी। उन्होंने ही लोगों को मंदिर पर हमले के लिए उकसाते हुए मौके पर भेजा था। पुलिस को इस मामले में इनपुट इंटेलिजेंस मिले हैं, पुलिस इस मामले में तीनों के

डासना देवी मंदिर के बाहर 50 पुलिसकर्मी तैनात

इसके अलावा एनआरसी, सीएए के प्रकरण में जिन 250 लोगों के खिलाफ गाजियाबाद में मुकदमे दर्ज हुए थे, उनकी भी निगरानी शुरू कर दी गयी है। जिससे कि वो लोग माहौल न खराब कर सकें। वहीं, इस वक्त डासना देवी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है। पहले यहां पर 25 पुलिसकर्मी तैनात रहते थे, अब यहां पर 50 पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। डासना देवी मंदिर महंत यति नरसिंहानंद ने 29 सितंबर काके हिंदी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

व्यापार जगत

चुनावी नतीजों से बाजार की गिरावट का सिलसिला थमा

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में छह दिन से जारी गिरावट पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 585 अंक चढ़ गया। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। सेंसेक्स 584.81 अंक की बढ़त के साथ 81,634.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 713.28 अंक चढ़ गया था। निफ्टी भी 217.40 अंक की तेजी के साथ 25,013.15 अंक पर रहा।

मिडकैप 1.86 प्रतिशत उछला

मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप 1.86 प्रतिशत उछला जबकि स्मॉलकैप 2 .44 प्रतिशत मजबूत हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7 .51 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,59,50,926 .21 करोड़ रुपये पहुंच गया। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में सोमवार को गिरावट रही थी।

गेनर्स और लूजर्स

सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टाटा मोटर्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं।

मौद्रिक नीति को लेकर निवेशक उत्साहित

जानकारों ने कहा, बाजार में कुछ दिन की गिरावट के बाद निफ्टी-50 को 25,800 के स्तर पर समर्थन मिला। राज्य विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल के उलट सत्तारूढ़ दल के लिए अच्छे नतीजों से घरेलू बाजार पर कुछ सकारात्मक असर हुआ।

एनपीएस में अधिक मुनाफा कमाने का मिलेगा मौका

एजेंसी । नई दिल्ली

पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने एनपीएस सदस्यों के लिए नया निवेश फंड शुरू किया है। इसे संतुलित जीवन चक्र निधि (बीएलसी) नाम दिया गया है। इसके जरिए एनपीएस सदस्य अब 45 वर्ष की आयु तक अपने कुल योगदान का 50% हिस्सा इक्विटी में निवेश कर पाएंगे। इससे उन्हें सुरक्षित तरीके से अधिक मुनाफा कमाने का मौका मिलेगा। हाल ही जारी पीएफआरडीए के सर्कुलर के मुताबिक, इस निवेश फंड को खास तौर से निजी क्षेत्र के ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इससे उन्हें संतुलित निवेश के अधिक विकल्प मिल पाएंगे। इस फंड में कंपनी के माध्यम से कॉरपोरेट एनपीएस खाता खुलवाने वाले कर्मचारी और व्यक्तिगत खाता खुलवाने वाले आम नागरिक निवेश कर पाएंगे।

सरकारी कर्मचारी भी लाभ उठा सकेंगे

प्रस्तावित एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत जोखिम उठाने वाले सरकारी कर्मचारियों द्वारा भी बीएलसी का लाभ उठाया जा सकता है, जो सेवा के अंतिम 12 महीनों के औसत वेतन के 50% की दर से गारंटीकृत पेंशन के बिना उच्च रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं। यूपीएस के तहत, डिफ़ॉल्ट निवेश विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को गारंटीकृत पेंशन मिलेगी।

क्या है मौजूदा व्यवस्था ?

वर्तमान में एनपीएस सदस्यों को निवेश के लिए कई फंड योजनाओं के विकल्प मिलते हैं। इनके जरिए इक्विटी, सरकारी प्रतिभूति, कॉरपोरेट बॉन्ड और अन्य वैकल्पिक फंड में अनुपातिक निवेश किया जाता है। सदस्यों को ऑटो चाइस फंड के तहत एलसी-50 विकल्प में 35 वर्ष की आयु तक ही इक्विटी में 50 फीसदी तक निवेश की अनुमति है। नए बीएलसी फंड को ऑटो चाइस विकल्प में ही जोड़ा गया है, जहां अब 45 वर्ष की आयु तक इक्विटी में अधिक निवेश कर पाएंगे। पीएफआरडीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि एनपीएस के तहत उपलब्ध मौजूदा विकल्प जैसे कि एक्टिव और ऑटो विकल्प में अन्य कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दुनिया में पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल उपलब्धः पुरी

एजेंसी । नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के संभावित विस्तार से कच्चे तेल आपूर्ति को लगने वाले किसी भी झटके से निपटने में सक्षम होगा। इजराइल पर ईरान के मिसाइल हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें एक सप्ताह से भी कम समय में लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। ऐसा इजराइल की जवाबी कार्रवाई करने और उससे संघर्ष बढ़ने की आशंका के चलते हुआ है। पुरी ने इस संदर्भ में कहा, घबराने की कोई बात नहीं है। दुनिया में पर्याप्त से अधिक तेल की उपलब्धता है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत कच्चे तेल की अपनी 85 प्रतिशत जरूरत को आयात से पूरा करता है।

रुपया चार पैसे की तेजी के साथ 83.96 प्रति डॉलर पर

एजेंसी । मुंबई

छह निरंतर सत्रों की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेजी को देखते हुए मंगलवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया चार पैसे की तेजी के साथ 83.96 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने से रुपये को और मजबूती मिली, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी कोषों की निकासी से तेज बढ़त पर रोक लग गई। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद बाजार में तेजी आई, जिससे रुपए को मदद मिली।

स्पाइसजेट बेड़े में जोड़ेगी 10 विमान

एजेंसी । मुंबई

घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट अगले महीने तक अपने बेड़े में 10 विमान और जोड़ेगी। पहला विमान 10 अक्तूबर को बेड़े में शामिल किया जाएगा। स्पाइसजेट ने कहा, इनमें से सात विमान पट्टे पर लिए जाएंगे, जबकि बंद खड़े तीन विमानों को पुनः बेड़े में शामिल किया जा रहा है। 'लाइव एयरक्राफ्ट फ्लीट ट्रैकिंग' वेबसाइट प्लेनस्पॉटर.नेट के अनुसार, गुरुग्राम मुख्यालय वाली विमानन कंपनी के पास केवल 19 विमान परिचालन में हैं, जबकि आठ अक्तूबर तक उसके 36 विमान बंद खड़े थे। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, यह अतिरिक्त विमान महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि हम हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ अपनी परिचालन क्षमताओं को भी मजबूत कर रहे हैं। यह घोषणा स्पाइसजेट के पिछले महीने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिये 3,000 करोड़ रुपए की नई पूंजी प्राप्त करने के बाद की गई है।

एनएसडीएल को आईपीओ के लिए मंजूरी मिली

एजेंसी । नई दिल्ली

अग्रणी डिपॉजिटरी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) को आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। एनएसडीएल के अलावा, स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी और जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस को भी आईपीओ के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। बिक्री पेशकश के तहत, आईडीबीआई बैंक 2.22 करोड़ शेयर, एनएसई 1.80 करोड़ शेयर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 56.25 लाख शेयर और भारतीय स्टेट बैंक तथा एचडीएफसी बैंक 40-40 लाख शेयर बेचेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरा

रोहित एंड कंपनी भारत ए टीम के साथ खेल सकती है अभ्यास मैच

भारत का ऑस्ट्रेलिया टेस्ट दौरा

पहला टेस्ट : 22-26 नवंबर, पर्थ
दूसरा टेस्ट : 06-10 दिसंबर, एडिलेड
तीसरा टेस्ट : 14-18 दिसंबर, ब्रिस्बेन
चौथा टेस्ट : 26-30 दिसंबर, मेलबर्न
पांचवां टेस्ट : 3-7 जनवरी, सिडनी

दक्षिण अफ्रीका टी-20 दौरा

पहला मैच : 8 नवंबर, डरबन
दूसरा मैच : 10 नवंबर, गकेबरहा
तीसरा मैच : 13 नवंबर, सेंचुरियन
चौथा मैच : 15 नवंबर, जोहान्सबर्ग

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय टीम 22 नवंबर से शुरू होने वाले पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए दो सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। रोहित एंड कंपनी अपनी ए टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ एक या दो इंट्रा स्क्वाड (आपस में टीम बनाकर) अभ्यास मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच मुंबई में पांच नवंबर (अगर पूरे पांच दिन चला तो) को खत्म होगा। बीसीसीआई दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे की तरह ऑस्ट्रेलिया में भी भारत और भारत ए के बीच चार दिवसीय मैच का आयोजन कर सकता है। इस अभ्यास मैच से रोहित की टीम को ऑस्ट्रेलिया के लंबे दौरे से पहले खुद को वहां की परिस्थितियों में परखने का अच्छा मौका मिलेगा। भारत ए टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 25 अक्तूबर को रवाना होने की संभावना है। युवा खिलाड़ियों से भरी टीम के इस दौरे पर दो टेस्ट मैच खेलने की संभावना है।

अभ्यास मैचों की गुणवत्ता में गिरावट

बीसीसीआई ने पिछले कुछ वर्षों में अभ्यास मैचों की गुणवत्ता में गिरावट देखी है। टेस्ट कप्तान के रूप में धौनी के कार्यकाल के दौरान ऐसा भी समय आया जब अभ्यास मैचों को अनौपचारिक दर्जा मिल गया था ताकि टीम के सभी 15 खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर सकें। इससे पहले आमतौर पर ये तीन दिवसीय मैच होते थे जिसे प्रथम श्रेणी का दर्जा मिलता था। भारतीय टीम ने 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले कोविड-19 के दौर में इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैचों को शुरू किया था। इसके बाद कुछ समय के लिए मुख्य टीम के दौरे से पहले होने वाले ए टीम के दौरो को रोक दिया गया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, मौजूदा समय में घरेलू देश आमतौर पर अभ्यास के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ घरेलू प्रतिभा महैया नहीं करना चाहते हैं। अगर भारत के कुछ उभरते हुए खिलाड़ियों को सितारों के खिलाफ मैदान में उतारा जाता है तो इससे हमेशा बेहतर मैच अभ्यास में मदद मिलेगी। ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो राष्ट्रीय टीम के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज, पांच साल से घरेलू सरजमीं पर कोई सीरीज नहीं हारी है भारत ने

बादशाहत कायम रखना चाहेगी टीम इंडिया

आमने-सामने

कुल मैच :	15
भारत जीता :	14
बांग्लादेश जीता :	01

एजेंसी | नई दिल्ली

टीम इंडिया बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टी-20 जीतने के साथ ही सीरीज पर भी कब्जा कर घर में अपनी बादशाहत कायम रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछल ने पांच साल से घर में कोई सीरीज नहीं हारी है। उसने घर में पिछली सीरीज फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2-0 से गंवाई थी। उसके बाद से टीम ने 15 सीरीज खेली जिसमें से 13 जीती और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो बराबरी रही। भारतीय टीम अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश करेगी।

संजू के पास मौका

पंत, अक्षर और बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में युवा ब्रिगेड ने ग्वालियर में पहले मैच में जिस तरह से शुरू से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा उससे सीमित ओवरों की क्रिकेट में उसकी मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' का पता चलता है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस मैच में चमक बिखेरने के लिए आतुर होंगे।

अभिषेक से बड़ी पारी की उम्मीद

सैमसन अमूमन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं लेकिन पहले मैच में उन्होंने पारी का आगाज करते हुए 29 रन बनाए थे। कप्तान सूर्यकुमार पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सैमसन सीरीज में आगे भी यह भूमिका निभाते रहेंगे। सैमसन और उनके साथ पारी की शुरुआत करने वाले अभिषेक पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे।

पांच साल बाद टकराएंगे दिल्ली

दोनों टीमें पांच साल बाद अरुण जेटली स्टेडियम में टकराएंगी। हालांकि यहां पर खेले गए एकमात्र मुकाबले में मेहमान टीम ने भारत को पटकनी दी है। नवंबर 2019 में खेले गए मैच में बांग्लादेश ने मेजबान टीम को सात विकेट से धोया था। महमूदुल्लाह ने नाबाद 60 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारतीय टीम दो साल बाद यहां खेलेगी। जून 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भी उसे सात विकेट से हार मिली थी।

नंबर गेम

- 3 मैच भारत ने इस स्टेडियम में खेले हैं जिसमें से सिर्फ एक जीता है जबकि दो में शिकस्त मिली है
- 7 साल से यहां जीत नहीं पाई है भारतीय टीम। उसे पिछली जीत नवंबर 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी
- 212 इस स्टेडियम को सर्वोच्च स्कोर है जो दक्षिण अफ्रीका ने 2022 में भारत के खिलाफ बनाया था

महमूदुल्लाह का भी टी-20 से संन्यास

एजेंसी | नई दिल्ली

शाकिब अल हसन के बाद बांग्लादेश के अनुभवी हरफनमौला महमूदुल्लाह ने भी मंगलवार को टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज का शनिवार को हैदराबाद में खेले जाने वाला तीसरा मुकाबला उनका इस प्रारूप में आखिरी मैच होगा। महमूदुल्लाह ने कहा, हां, मैं इस सीरीज के आखिरी मैच के बाद फटाफट क्रिकेट को अलविदा कह रहा हूं।

128 टी-20 मैच खेला

उन्होंने 128 टी-20 मैचों में 117.74 की स्ट्राइक रेट से 2395 रन बनाए हैं। इसमें आठ अर्धशतक हैं। वह शाकिब (2551) के बाद बांग्लादेश के दो हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं।

सिटसिपास ने मुलर को हराया, मेदवेदेव से भिड़ेंगे

एजेंसी | शंघाई

स्टेफानोस सिटसिपास शंघाई मास्टर्स टेनिस के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां एलेक्जेंडर मुलर को 6-3, 7-5 से हराकर कड़े प्रतिद्वंद्वी दानिल मेदवेदेव के साथ रोमांचक मुकाबले की नींव रखी। यूनान के सिटसिपास और रूस के मेदवेदेव 14वीं बार और लगभग एक साल में पहली बार भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक खेले गए 13 मैचों में मेदवेदेव 9-4 से आगे हैं। इस बीच बेन शेल्टन ने रॉबर्टो कारबालेस बेना को 6-3, 6-4 से हराया।

टी-20 रैंकिंग: हरमनप्रीत संयुक्त 12वें स्थान पर पहुंचीं

एजेंसी | दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर संयुक्त 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे टी-20 विश्व कप के दौरान मंगलवार को जारी रैंकिंग में हरमनप्रीत के साथ 12वें स्थान पर काबिज श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा के भी 610 रेटिंग अंक हैं। वहीं स्मृति मंधाना एक पायदान गिरकर पांचवें स्थान पर तो जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान गिरकर 20वें स्थान पर आ गईं। दूसरी ओर गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत की ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल नौ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर आ गईं। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा दो पायदान

नीचे चौथे स्थान पर खिसक गईं जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर बनी हुईं हैं। कुछ समय के लिए रैंकिंग में शीर्ष पर रहीं पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल (754 रेटिंग अंक) दूसरे स्थान पर आ गईं जब इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन (762 रेटिंग अंक) उनसे आगे निकलकर दोबारा शीर्ष पर काबिज हो गईं। दक्षिण अफ्रीका की दोनों सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट (नंबर तीन) और तजमिन ब्रिट्स (नंबर छह) ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी कर ली।

मुंबई के मैदानों से

कुवाले भाई चैंपियन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

ग्रेटर मुंबई के विप्लव और विराज कुवाले ने फाइनल में पुणे के आर्या ठाकोर और ध्रुव ठाकोर को 21-10, 21-11 से पराजित करके महाराष्ट्र बैडमिंटन एसोसिएशन के सौजन्य से आयोजित योनेक्स सनरॉईज नंदू नाटेकर मेमोरियल महाराष्ट्र राज्य सीनियर अंतर जिला (टीम) और राज्य बैडमिंटन चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग युगल खिताब पर कब्जा कर लिया। इसके अलावा महिलाओं के युगल फाइनल में ठाणे की अनघा करंदीकर और सिया सिंह की जोड़ी ने कशिका महाजन और सिमरन सिंघी की जोड़ी को 21-17, 21-17 से और मिश्रित युगल के फाइनल में ठाणे के दीप रांभिया और अक्षया वारंग की जोड़ी ने विराज कुवाले और सिया सिंह की जोड़ी को 21-19, 21-13 से हराते हुए खिताब अपने नाम किया।

सेंट ब्लेज, अंबोली विजयी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

तेज तर्रार स्ट्राईकर एलिस्टर डिसूजा द्वारा दागे गए तूफानी चार गोल की मदद से सेंट ब्लेज, अंबोली की टीम ने 44वें विलिंगडन कैथोलिक जिमखाना वार्षिक रिंक फुटबॉल प्रतियोगिता 2024 पुरुष वर्ग के पहले दौर के मैच में ऑवर लेडी ऑफ गुड काउन्सेल, सायन की टीम को 5-0 के अंतर से शानदर जीत दर्ज की। पहले दौर के अन्य मैचों में डॉन बॉस्को, विरार ने सक्रेड हॉर्ट, सांताक्रुज को 4-0 से, इनफैन्ट जीसस, वसई ने सेंट एंथोनी सी, वाकोला को 2-0 से और सेंट जोसेफ डी जुहू ने लेडी ऑर रोसरी, मझगांव को 3-2 से हराया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार: मिथुन चक्रवर्ती को मिला दादा साहेब पुरस्कार

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आगाज आखिरकार हो गया। आज यानी 8 अक्टूबर को दिल्ली के विज्ञान भवन में इसका आयोजन हुआ। इस पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को सम्मानित किया। जहां दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से नवाजा गया, वहीं फिल्म 'कांतारा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार ऋषभ शेट्टी की झोली में गया।

कौन बनीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री?

नित्या मेनन को फिल्म 'तिरुचित्रम्बलम' के लिए और मानसी पारेख को गुजराती फिल्म 'कच्छ एक्सप्रेस' के लिए संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला, वहीं ऋषभ शेट्टी ने 'कांतारा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के लिए प्रीतम ने सर्वश्रेष्ठ संगीतकार तो इसी फिल्म के गाने 'केसरिया' के लिए अरिजीत सिंह ने सर्वश्रेष्ठ प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार अपने नाम किया। उधर एआर रहमान ने 'पोन्नियिन सेलवन 1' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार जीता।

निर्देशक सूरज बड़जात्या और नीना गुप्ता इस फिल्म के लिए हुए सम्मानित

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार निर्देशक सूरज बड़जात्या को उनकी फिल्म 'ऊंचाई' के लिए मिला है। इसी फिल्म के लिए नीना गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। बता दें कि दोस्ती पर आधारित इस फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को छू गई थी, वहीं समीक्षकों से भी इसे खूब तारीफ मिली थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, डैनी डेंग्जोंग्पा, बोमन ईरानी, सारिका और परिणीति चोपड़ा भी नजर आई थीं। यह फिल्म ZEE5 पर मौजूद है।

सालों बाद भगवान ने मुझे ब्याज साहित कुछ लौटाया- मिथुन

समारोह में फिल्म जगत का सबसे गौरवपूर्ण दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन को दिया गया। मिथुन विज्ञान भवन पहुंचे और अपनी खुशी जाहिर की। उनके हाथों में प्लास्टर बंधा हुआ था। पुरस्कार लेने से पहले मिथुन दा ने कहा, 'मैं अभी तक इस खबर को पचा नहीं पाया हूं। मैं अब भी असमंजस में हूं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इतने सालों बाद ऐसा लगता है कि भगवान ने मुझे ब्याज सहित कुछ लौटाया है।' पुरस्कार लेते वक्त मिथुन बेहद भावुक हो गए।

'गुलमोहर' बनी 2022 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म

'गुलमोहर' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसमें मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर जैसे कलाकार नजर आए थे। दोनों ने कार्यक्रम में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और सम्मान प्राप्त किया। मलयालम सिनेमा में 'आट्टम' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला है, वहीं सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म का पुरस्कार 'वालवी' ने जीता। सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फिल्म का पुरस्कार निखिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर की 'कार्तिकेय 2' को मिला तो 'पोन्नियिन सेलवन' ने सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म का पुरस्कार अपने नाम किया।

दीपिका के मुरीद हुए भंसाली

दीपिका पादुकोण का नाम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर के न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। न सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों में भी दीपिका की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। दीपिका बॉलीवुड के कई दिग्गज निर्देशकों के साथ काम कर चुकी हैं, जिनमें से एक संजय लीला भंसाली भी हैं।

हाल ही में उन्होंने दीपिका से हुई अपनी पहली मुलाकात पर बात की। भंसाली ने कहा, 'जब मैं पहली बार दीपिका से मिला और उनके घर गया तो उन्होंने दरवाजा खोला। मैं दीपिका की खूबसूरती, उनकी आंखें देखकर दंग रह गया। मुझे अहसास हुआ कि उनमें कितनी मासूमियत, कितनी नाजुकता, कितनी सुंदरता है। उन्होंने बात करना शुरू किया और मैं उनकी आवाज का भी मुरीद हो गया। मैं सही समय पर बिल्कुल सही जगह पर था, क्योंकि मुझे पता था कि इस लड़की को जैसे ढाला जाएगा, वह ढल जाएगी।'

इन 3 सफल फिल्मों में दीपिका के साथ काम कर चुके भंसाली

बता दें कि भंसाली और दीपिका ने पहली बार साल 2013 में फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' में काम किया था। इसमें रणवीर सिंह, सुप्रिया पाठक और ऋचा चड्ढा जैसे कलाकार भी थे। उधर फिल्म के गाने 'राम चाहे लीला' में प्रियंका चोपड़ा थिरकती नजर आई थीं। इसके बाद भंसाली को दीपिका को लेकर फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' का निर्देशन किया और फिर वे 'पद्मावत' के लिए साथ आए। खास बात यह है कि ये तीनों ही फिल्में सफल रहीं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी नयनतारा-विग्नेश के शादी की डॉक्यूमेंट्री

साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा और उनके निर्देशक-पति विग्नेश शिवन लोकप्रिय जोड़ों में से एक हैं। दोनों की मुलाकात पहली बार साल 2015 में तमिल भाषा की रोमांटिक कॉमेडी नानुम राउडी धान की शूटिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी थी। दोनों ने लगभग सात साल तक डेटिंग की, जिसके बाद उन्होंने शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया। इस कपल ने 9 जून, 2022 को शादी की थी। अब दोनों की शादी की डॉक्यूमेंट्री के रन टाइम को लेकर जानकारी सामने आई है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। नयनतारा और विग्नेश की शादी का एक खास कार्यक्रम हुआ था, जो महाबलीपुरम के एक आलीशान रिसॉर्ट में संपन्न हुआ था। इनकी शादी में

भारतीय फिल्म उद्योग के कुछ जाने-माने नाम भी शामिल हुए थे। इस कपल ने अपनी शादी की डॉक्यूमेंट्री का अधिकार नेटफ्लिक्स को बेच दिया था। अब इनकी शादी के दो साल बाद, डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' जल्द ही इस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन डॉक्यूमेंट्री के रन टाइम का खुलासा कर दिया गया है।

नेटफ्लिक्स द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, डॉक्यूमेंट्री का रनटाइम 1 घंटा 21 मिनट है। इसमें कपल की प्रेम कहानी, उनके व्यक्तिगत किस्से, उनकी शादी के कुछ यादगार पल और उनके एक संग गुजारी गई झलकियां देखने को मिलने वाली हैं। फिल्म का प्रोमो ट्रेलर सितंबर 2022 में रिलीज किया गया था, जिसमें नयनतारा और विग्नेश का एक दूसरे को जीवन भर के साथी के रूप में चुनने के पीछे के कारण पर प्रकाश डाला गया था। ट्रेलर रिलीज़ के दौरान, निर्माताओं ने कहा था, ''नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल' बनाने के पीछे का उद्देश्य दर्शकों को बताना था कि कैसे इन दोनों ने एक-दूसरे को पाया, कैसे वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं और एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

'द राजा साब' की सेट से प्रभास का नया लुक हुआ वायरल

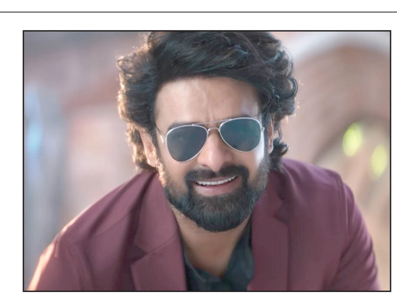

प्रभास अपनी नवीनतम फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' से धूम मचा चुके हैं। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। अब इसके बाद वह एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रहे हैं। इस बार वह किसी साइंस फिक्शन या एक्शन एंटरटेनर नहीं, ब्लकि एक हॉरर कॉमेडी 'द राजा साब' से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन मारुति कर रहे हैं। मंगलवार को उनके जन्मदिन के मौके पर फिल्म की टीम ने फिल्म के सेट से एक खास वीडियो साझा की है, जिसमें से प्रभास का लुक काफी ज्यादा वायरल हो रहा है। अपनी नवीनत फिल्म के 1100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई के बाद प्रभास को अब राजा साब से काफी ज्यादा उम्मीदे होंगी। उनके फैंस को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, जो एक बार फिर अपने चहेते सितारे को पर्दे पर देखना चाहते हैं। इस बीच फिल्म के निर्देशक के जन्मदिन पर टीम द्वारा जारी किए गए एक मेकिंग वीडियो में प्रभास की एक झलक नजर आई है।

फैंस जमकर कर रहे तारीफ

प्रभास के फैंस उन्हें काफी ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में अपने चहेते सितारे को बेहतरीन तरीके से दिखाने के लिए फैंस मारुति की भी काफी तारीफ कर रहे हैं। इस वक्त हॉरर कॉमेडी का ट्रेंड चल रहा है। हालिया रिलीज हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' ने छप्पर फाड़ कमाई की है। अगर मारुति की ये फिल्म भी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही, तो बॉक्स ऑफिस पर फिर से प्रभास का धमाल देखने को मिलेगा। फिल्म में प्रभास के अलावा मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल भी नजर आने वाली हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पुलिस थानों में डिफेंस पर्सनल के साथ सही व्यवहार को लेकर SOP बनाएगी ओडिशा सरकार

भरतपुर। ओडिशा सरकार ने मंगलवार को हाईकोर्ट को बताया कि स्टेट होम डिपार्टमेंट जल्द ही पुलिस थानों में डिफेंस पर्सनल के साथ उचित व्यवहार के लिए SOP तैयार करेगा। यह जानकारी सीनियर आईपीएस अधिकारी दयाल गंगवार ने एक हलफनामा जारी करके दी। भुवनेश्वर के भरतपुर पुलिस स्टेशन में हुई एक घटना के बाद ओडिशा हाईकोर्ट ने उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। सितंबर की शुरुआत में, भरतपुर पुलिस स्टेशन में एक सेना अधिकारी और उनकी महिला मित्र के साथ पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से मारपीट की थी। यह घटना तब हुई जब वे सड़क पर हुई एक झगड़े की शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन गए थे। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पुलिस थानों में CCTV कैमरे लगाने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर चिंता व्यक्त की। इसे लेकर दयाल गंगवार ने कहा कि राज्य भर के सभी पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम जारी है। यह 15 दिन में पूरा होने की उम्मीद है।

ड्रिंक एंड ड्राइव के 18 हजार चालान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 15 सितंबर तक ड्रिंक एंड ड्राइव के 18,000 से ज्यादा चालान जारी किए। ये आंकड़ा बीते तीन साल में सबसे ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक, कुल 18,478 चालान जारी किए हैं। 2023 में यह संख्या 16,235 और 2022 में 2,320 थी।

कर्नाटक में 22 पाकिस्तानियों को बसाने वाला युवक गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु से पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि परवेज नाम के युवक ने 22 पाकिस्तानी नागरिकों को कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में बसने में मदद की है। आरोपी ने उनके फर्जी कागजात भी तैयार करवाए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने सभी को असली पहचान छुपाई और उनके हिंदू नाम रहने और बाकी की व्यवस्था की। पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु के बाहरी इलाके जिगानी में एक परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था, जो पाकिस्तानी नागरिक थे। उनकी गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद पीन्या में तीन और पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पूछताछ में पता चला है कि कुछ पाकिस्तानी दावणगेरे जिले में भी रह रहे थे और उन्हें भी हिरासत में लिया गया था। मामले की जांच करते समय, पुलिस को परवेज के बारे में पता चला था।

असम में 11 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

रामनगर। असम के अलग-अलग हिस्सों से 11 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स जब्त की गई हैं। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने X पर बताया कि बिश्वनाथ और कछार जिलों से गांजा, हेरोइन और याबा टैबलेट बरामद हुए हैं। इनकी कीमत 1157 करोड़ रुपए है। सिलचर और रामनगर में पुलिस ने 572 ग्राम हेरोइन और 10,000 याबा टैबलेट बरामद की, जिनकी कीमत 7 करोड़ रुपए है।

बर्थडे केक ने ली 5 साल के बच्चे की जान

स्विग्गी में डिलीवरी बॉय हैं पिता, ऑर्डर कैंसल होने पर घर लाए थे केक

एजेंसी | नई दिल्ली

बेंगलुरु के भुवनेश्वरी नगर इलाके से एक अजीबों-गरीब मामला सामने आया है। बेंगलुरु में बर्थडे केक खाने से एक 5 साल के बच्चे की मौत हो गई। वहीं बताया जा रहा है इस मामले में बच्चे की माता-पिता की हालत भी गंभीर है। दोनों को KIMS अस्पताल के ICU में भर्ती कराया गया है, इनकी हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। बच्चे के पिता का नाम बलराज और मां का नाम नागलक्ष्मी बताया जा रहा है, वहीं बच्चे का नाम धीरज है। साथ ही बलराज स्विग्गी कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। रविवार, 6 अक्टूबर को उनके बेटे के बर्थडे पर एक कस्टमर ने केक का ऑर्डर कैंसिल कर दिया था, जिसके बाद बलराज केक अपने घर ले आए थे।

सुबह उठे तो पेट में हुआ तेज दर्द

वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि बलराज ने अपने बेटे के बर्थडे पर स्विग्गी के जरिए एक बेकरी से केक ऑर्डर किया था। जिसके बाद केक आने पर उन्होंने बेटे का जन्मदिन पूरे हर्ष-उल्लास के साथ मनाया, परिवार ने साथ मिलकर बर्थडे केक काटा और खाया, इसके बाद वो रात का खाना खाकर सो गए। इसके बाद जब सुबह उठे तो सुबह तीनों के पेट में तेज दर्द हुआ, वे दर्द से चिल्लाने लगे। पड़ोसी चीखें सुनकर वहां पहुंचे और इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चे की मौत हो गई थी।

क्या फूड पॉइजनिंग से हुई मौत?

बलराज और नागलक्ष्मी बेहोश थे। अधिकारी उनके होश में आने के बाद उनके बयान लेने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ऐसे में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फूड पॉइजनिंग के कारण भी मौत हो सकती है। साथ ही घटना पर स्विग्गी ने भी बयान जारी किया है। स्विग्गी ने कहा, फूड सेफ्टी हमारी प्राथमिकता, कंपनी ने कहा कि बेंगलुरु में हुई घटना से हम दुखी हैं। परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। पीड़ित परिवार से मिलने के लिए हमारी टीम अस्पताल गई थी।

अरुण के सारंगी ने संभाला OPSC अध्यक्ष का पदभार

एजेंसी | गुहावाटी

असम से एक करोड़ से ज्यादा की कीमत की नशीली गोलियां जब्त किए जाने की खबर सामने आई है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के करीमगंज जिले में सोमवार को एक करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य की 10 हजार याबा गोलियां जब्त की गईं। साथ ही एक शख्स को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स ने पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी संख्या में नशीली गोलियां जब्त कीं। करीमगंज के एएसपी प्रताप दास ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी की सूचना पर बदरपुर थाना क्षेत्र में जब्ती की गई। उन्होंने कहा, 'हमें नशीले पदार्थों के तस्करी करने के बारे में जानकारी मिली थी। सूचना पर हमने बदरपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक अभियान शुरू किया और एक करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए।' पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान एक वाहन भी जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

मेडिकल कॉलेज के 50 डॉक्टर्स का इस्तीफा

कोलकाता रेप-मर्डर केस

- जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल के सपोर्ट में उठाया कदम
- आज देशभर में अनशन

एजेंसी | कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में रिजाइन कर दिया। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया। एक सीनियर मेंबर ने कहा, 'जूनियर डॉक्टर्स एक मकसद के लिए आमरण अनशन कर रहे हैं। हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और यह संदेश देने के लिए हमने इस्तीफे दिए हैं।' छह जूनियर डॉक्टरों के आमरण अनशन का आज चौथा दिन है। उन्होंने कहा कि हम किसी बाहरी दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

5 अक्टूबर से अनशन, 9 को देशभर में भूख हड़ताल

जूनियर डॉक्टर 5 अक्टूबर की शाम से आमरण अनशन पर बैठे हैं। वे हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने समेत 9 मांगों पर अड़े हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) ने पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों को समर्थन देने का ऐलान किया है। FAIMA ने कहा कि 9 अक्टूबर को देशभर में डॉक्टर्स भूख हड़ताल करेंगे। बंगाल सरकार ने कहा है कि सरकार अपने सभी वादे पूरी कर रही है। ममता सरकार ने डॉक्टरों से अनशन खत्म करने की अपील की है।

डॉक्टरों ने पहले 5 मांगे रखी थीं, इनमें सरकार ने 3 पूरे किए

जूनियर डॉक्टरों ने रेप-मर्डर घटना के खिलाफ 10 अगस्त से 21 सितंबर तक 42 दिन तक हड़ताल की थी। डॉक्टरों ने सरकार के सामने पहले 5 मांगें रखी थीं। इनमें से सरकार ने 3 मांगें मान लीं। CM ममता ने दो अन्य मांगों और शर्तों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी थी। वे अस्पतालों में काम पर लौट गए थे। 27 सितंबर को सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया, जिससे नाराज होकर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को फिर से हड़ताल शुरू कर दी।

कांग्रेस ने लोकसभा-विधानसभा चुनावों में 585 करोड़ रुपए किए खर्च

चुनाव आयोग को बताया- स्टार कैंपेनर्स की हवाई यात्रा में 105 करोड़ खर्च हुए

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 और आंध्र, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 585 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पार्टी ने 20 मार्च से 1 जून तक हुए कुल 5 चुनावों के खर्च का ब्योरा चुनाव आयोग को सौंपा है। रिपोर्ट में कांग्रेस ने बताया कि 585 करोड़ में से 410 करोड़ रुपए ऐड और मीडिया कैंपेन पर खर्च किए गए हैं। वहीं, 46 करोड़ रुपए सोशल मीडिया और ऐप के वर्चुअल कैंपेन के लिए खर्च किए गए हैं। दरअसल, सभी पार्टियों को अपना चुनावी खर्च का ब्योरा चुनाव आयोग को रिजल्ट घोषित होने के 75 से 90 दिनों के अंदर देना होता है। समय सीमा खत्म होने पर भी जब पार्टियां जानकारी नहीं देती है तो चुनाव आयोग पार्टियों को नोटिस भेजता है, जिसका पार्टियां महीनों तक जवाब नहीं देती हैं। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट की घोषणा 4 जून को हुई थी। मंगलवार 8 अक्टूबर को 124 दिन हो चुके हैं। अभी तक कांग्रेस के अलावा किसी अन्य पार्टी ने अपना चुनावी खर्च नहीं बताया है।

कांग्रेस ने बैनर-पोस्टर पर खर्च किए 68 करोड़ रुपए

चुनाव आयोग को सौंपी रिपोर्ट में कांग्रेस ने बताया कि एड और मीडिया कैंपेन में 410 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इनमें से पोस्टर, बैनर, होर्डिंग और अन्य पब्लिसिटी मटेरियल के लिए 68.2 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वहीं, स्टार कैंपेनर्स की हवाई यात्रा के लिए पार्टी ने 105 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इनमें मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की हवाईयात्रा का खर्च भी शामिल हैं।

ऐलान के समय कांग्रेस के पास 170 करोड़ रुपए थे

कांग्रेस ने बताया है कि चुनाव के ऐलान के समय पार्टी के पास 170 करोड़ रुपए थे। इसके बाद पार्टी के खातों में 539.37 करोड़ रुपए डाले गए हैं। साथ ही 13.76 करोड़ रुपए पार्टी को कैश के रूप में मिले हैं।

उत्तराखंड में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार

- सीएम धामी को जल्द सौंपी जाएगी रिपोर्ट
- 9 नवंबर से हो सकता है लागू

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (UCC) को लागू करने को लेकर अंतिम रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। राज्य सरकार की तरफ से बनाई गई UCC कमेटी इस रिपोर्ट को जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपेगी। यह रिपोर्ट उत्तराखंड में UCC लागू करने के लिए तैयार की गई सिफारिशों का मसौदा है, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत कानूनों को समान रूप से लागू करने के प्रावधान शामिल हैं। CM धामी ने हाल ही में घोषणा की थी कि सरकार 9 नवंबर को उत्तराखंड स्थापना दिवस पर UCC लागू करना चाहती है। उत्तराखंड ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य होगा।

13 मार्च को राष्ट्रपति ने दी थी मंजूरी

13 मार्च को UCC बिल को राष्ट्रपति से मंजूरी मिली थी। तब धामी ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार में विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान जो वादा जनता से किया था उसे पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता कानून लागू होने से सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलने के साथ ही महिलाओं पर हो रहे उत्पीड़न पर भी लगाम लगेगी।

ISRO जापान के साथ मिलकर करेगा चांद फतह

पांचवें मिशन LUPEX को मिली अंतरिक्ष आयोग की मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

अपने पिछलों मिशनों में चांद फतह कर चुका इसरो अब चंद्रमा पर और बड़े स्केल पर मिशन की तैयारी में है। इसी दिशा में इसरो के महत्वाकांक्षी लूपेक्स मिशन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग की मंजूरी मिल चुकी है। लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन या लूपेक्स को इसरो जापानी अंतरिक्ष एजेंसी, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) के साथ पूरा करेगा। गौरतलब है कि यह इसरो का पांचवां चंद्रमा मिशन होगा। चंद्रयान 3 की सफलता के बाद अब इसरो चंद्रयान 4 की तैयारियों में लगा हुआ है। इस बीच पांचवें मिशन की भी मंजूरी मिल गई है। अब इस मिशन को कैबिनेट से मंजूरी दी जानी है। इसके बाद मिशन का रास्ता साफ हो जाएगा।

चंद्रयान मिशन की सीरीज पर काम कर रहा इसरो

इसरो का कहना है कि वह चंद्रयान मिशन की एक पूरी सीरीज बनाना चाहता है, जिससे ऐसी क्षमता विकसित की जा सके कि भविष्य में इंसानों को सफलतापूर्वक चांद पर ले जाया और वापस लाया जा सके। बात करें लूपेक्स मिशन के तो इसके तहत इसरो लैंडर का विकास करेगा, जबकि जापान की एजेंसी जाक्सा रोवर बनाएगी। यह रोवर अपने साथ इसरो और जाक्सा के उपकरणों के साथ-साथ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के उपकरण भी साथ लेकर जाएगा। मिशन के माध्यम से चंद्रमा पर स्थायी गतिविधियों के लिए आधार बनाने के उद्देश्य से ध्रुवीय इलाके की खोज की संभावना का भी पता लगाया जाएगा। साथ ही चांद की सतह पर जल संसाधन की मौजूदगी को लेकर भी जानकारी हासिल की जाएगी।

पथराव के बाद दिल्ली-ऊना वंदे भारत ट्रेन पर जवानों की तैनाती

शिमला। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में वंदे भारत ट्रेन पत्थरबाजी की घटनाओं को देखते हुए रेलवे ने कड़े कदम उठाए हैं। रेलवे की ओर से दिल्ली-ऊना वंदे भारत ट्रेन पर सुरक्षा बल के जवानों को तैनात किया गया है। रेलवे के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऊना जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि जिन स्थानों पर यह घटना हुई है, उन जगहों पर भी निगरानी रखी जा रही है। इतना ही नहीं रेलवे के प्रवक्ता के मुताबिक, संदिग्ध स्थानों पर पैनी नजर भी रखी जा रही है।

संदिग्ध स्थानों पर पैनी नजर

रेलवे के प्रवक्ता ने बताया, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के दस जवानों को ट्रेन में तैनात किया गया है। साथ ही संदिग्ध स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सोमवार रात चंडीगढ़ से आरपीएफ के छह जवान वंदे भारत ट्रेन में सवार हुए। वहीं नांगल और ऊना से दो आरपीएफ और दो जीआरपी के जवान शामिल हुए। शनिवार और रविवार को ऊना में अलग-अलग जगहों पर ट्रेन पर पत्थरबाजी की गई थी। हालांकि, पथराव की इन घटनाओं में यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। हमले से ट्रेन के कई शीशे क्षतिग्रस्त हो गए थे। शनिवार को जिला मुख्यालय के पास बसाल गांव में शरारती तत्वों ने ट्रेन के चार डिब्बों पर पत्थरबाजी की, जबकि रविवार को अंब में ट्रेन के दो डिब्बों को निशाना बनाया गया। सोमवार को पथराव की घटना नहीं हुई थी। रेलवे अधिकारियों ने ऊना जिले के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर सहयोग मांगा है।

चुनाव | 'गृह राज्य' में आप का नहीं खुला खाता, जम्मू कश्मीर में मिली एंट्री

नहीं चला 'हरियाणा के लाल, केजरीवाल' का नारा

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय पार्टी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही आप के लिए मंगलवार को सामने आए दो राज्यों के नतीजों में मिले-जुले संकेत सामने आए। जहां वह हरियाणा में कोई भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही, उसे वहां एक भी सीट नहीं मिली तो वहीं जम्मू कश्मीर में उसने डोडा में जीत हासिल की। डोडा की जीत आप के लिए एक सुखद झोका हो सकती है, लेकिन दिल्ली से सटे हरियाणा में में आप का यह प्रदर्शन खतरे की घंटी की तरह सामने आता है, जब अगले कुछ महीनों में दिल्ली में चुनाव होने हैं।

हरियाणा नहीं खुला AAP का खाता : यही वजह है कि हरियाणा के नतीजों पर आप के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल भी अपने नेताओं-वर्कर्स को चेताते नजर आए। उन्होंने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणामों का 'सबसे बड़ा सबक' यह है कि चुनावों में कभी भी 'अति आत्मविश्वासी' नहीं होना चाहिए। किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हर चुनाव और हर सीट मुश्किल होती है। वहीं उन्होंने पार्टी के लोगों से अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कहा।

AAP को मिले महज 1.80 फीसदी वोट

उल्लेखनीय है कि हरियाणा में कांग्रेस के साथ चुनावी तालमेल न होने के बाद आप ने प्रदेश की 90 में से 89 सीटों पर लड़ने का फैसला किया। लेकिन हरियाणा में ज्यादातर सीटों पर जमानत जब्त होती दिखी। वहीं इन चुनावों में उसे लगभग 1.80 फीसदी वोट मिले। चुनावों से पहले आप दावा कर रही थी कि आप वहां किंगमेकर की भूमिका में होगी। जेल से निकलने के बाद केजरीवाल ने दावा किया था कि हरियाणा में हम किंगमेकर की भूमिका में होंगे और वहां सरकार हमारे समर्थन के बिना नहीं बनेगी।

केजरीवाल का गृह राज्य है हरियाणा

हालांकि, मंगलवार के हरियाणा के नतीजे उस दावे को पानी फेरते दिखे। दरअसल, हरियाणा में आप से जुड़े नतीजे इसलिए भी अहम हो उठते हैं, क्योंकि केजरीवाल मूल रूप से हरियाणा से आते है और यह उनका गृह राज्य है। वहीं हरियाणा दिल्ली से सटा राज्य है। दिल्ली से सटे गुरुग्राम, फरीदाबाद, बहादुरगढ़ व सोनीपत जैसे इलाकों में आप का प्रदर्शन काफी फीका रहा।

ईएसआईसी दिल्ली समेत देश में 10 मेडिकल कॉलेज बनाएगा

नई दिल्ली | नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा दिल्ली समेत देश में 10 नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ। मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित ईएसआईसी की 194वीं बैठक में मेडिकल कॉलेज खोले जाने को मंजूरी दी गई। इस दौरान अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना को विस्तार, ईएसआईसी कर्मचारियों के लिए आयुष्मान भारत योजना से सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज और मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग व पैरामेडिकल कोर्स संचालित करने को भी मंजूरी दी गई।

75 हजार मेडिकल सीट बढ़ाने का लक्ष्य हासिल होगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईएसआईसी के मेडिकल कॉलेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगले पांच वर्ष में देशभर में 75 हजार नई मेडिकल सीट बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे। साथ ही, ईएसआईसी द्वारा मरीजों को मिलने चिकित्सा सेवा पहले से बेहतर होगी क्योंकि मेडिकल कॉलेजों के अंदर ज्यादा विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती हो सकेगी।

अटल कल्याण योजना को 2026 तक के लिए बढ़ाया

बैठक में अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना को 2026 तक के लिए बढ़ा दिया गया। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के तहत एक जुलाई 2018 को शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य उस अवधि के दौरान बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना है, जिस दौरान बीमित व्यक्ति बेरोजगार हो और रोजगार का नया अवसर तलाश रहा हो। अब योजना को एक जुलाई, 2024 से 30 जून, 2026 तक यानी दो साल के लिए बढ़ा दिया गया। उधर, ईएसआईसी ने अस्पताल और अपनी डिस्पेंसरी में नर्सिंग अफसर की नियुक्ति एम्स के मापदंडों के हिसाब से करने का फैसला लिया है। त्वरित गति से अस्पताल खोलने के लिए जमीन हस्तांतरण के काम में तेजी लाने पर सहमति बनी है।